News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-155
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

मुस्कुराहट भी एक दुआ है दिया कीजिये, लिया कीजिये...

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 09 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कोलकाता रेप-मर्डर केस- पीड़िता के माता-पिता का गंभीर आरोप, कहा-

पुलिस शुरुआत से ही सबूत मिटाने की कोशिश में...

कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस में पीड़िता के माता-पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के पिता ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने शुरुआत से ही केस में सहयोग नहीं किया। मृतका की मां ने कहा, सरकार और प्रशासन ने हमें न्याय दिलाने में मदद नहीं की। पुलिस ने सबूतों को जानबूझकर नष्ट करने की कोशिश की। पीड़िता के माता-पिता ने लोगों से अपील की कि जब तक न्याय नहीं मिलता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहना चाहिए।मृतका के पिता ने कहा कि हमें विरोध प्रदर्शनों से उन्हें न्याय की उम्मीद जागी है। पीड़िता के पिता ने लोगों से अपील की कि इस वक्त हमारे साथ खड़े रहें और इस संघर्ष में हमारा साथ दें। पिता ने कहा, हमें न्याय इतनी आसानी से नहीं मिलेगा, इसके लिए संघर्ष करना होगा। लेकिन मुझे उम्मीद है कि लोग हमारे साथ रहेंगे और हमें न्याय दिलाएंगे। पीड़िता के पिता ने कहा कि लोगों का समर्थन ही हमारी ताकत है।कोलकाता में मेडिकल कम्युनिटी से जुड़े लोग भी इस मामले में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। रविवार की रात मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े लोगों ने सियालदह से एस्प्लेनेड तक एक मार्च निकाला। इस मार्च में पीड़िता के माता-पिता भी शामिल हुए। इस प्रदर्शन में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग की।मृतका के पिता ने कहा कि पुलिस ने जानबूझकर मेरी बेटी के साथ हुई वारदात एफआईआर दर्ज करने में देरी की। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक पुलिस अधिकारी ने उनसे मामले को निपटाने के लिए पैसे की पेशकश की। पिता ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने मीडिया में गलत जानकारी फैलाई, ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके। यह सब कुछ तब हो रहा था जब मामला पहले ही सीबीआई को सौंपा जा चुका था।मृतका के माता-पिता ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें अपनी बेटी का दूसरा पोस्टमॉर्टम करने की इजाजत नहीं दी। पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि जब हम अपनी बेटी का शव लेकर आए तो 300 से 400 पुलिसकर्मियों ने हमारे घर को घेर लिया था। इसकी वजह से हमें मजबूरन अपनी बेटी का अंतिम संस्कार जल्दबाजी में करना पड़ा। पीड़िता के पिता ने कहा कि इस मामले पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, हमें सिर्फ इंसाफ चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और सीबीआई को अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। मृतका के माता-पिता ने कहा किअब सभी प्रदर्शनकारी उनके अपने बच्चे हैं। से सभी न्याय के लिए संघर्ष करते रहेंगे। प्रदर्शनकारी इस आंदोलन को तब तक जारी रखेंगे, जब तक हमारी बेटी को न्याय नहीं मिलता।

बजरंग पूनिया को मिली जान से मारने के धमकी

सोनीपत। कांग्रेस पार्टी में हाल ही में शामिल हुए ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया को जान से मारने के धमकी मिली है। विदेशी नंबर से वाट्सएप पर धमकी दी गई है। बजरंग को धमकी में लिखा है कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा। यह हमारा आखिरी संदेश है। बजरंग ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया की राजनीति में एंट्री हो चुकी है। दिल्ली में शुक्रवार को दोनों कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इससे पहले दोनों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा था कि उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश रहेगी। कांग्रेस ने हमारे आंसुओं को समझा। बुरे टाइम में पता चलता है कि आपका कौन है। यह देश के लोगों की सेवा का मौका है। नई पारी की शुरुआत मेरे लिए गर्व की बात है। उन्हें जुलाना से टिकट दिया गया है। वहीं बजरंग को ऑल इंडिया कांग्रेस किसान का वर्किंग चेयरमैन बनाया गया है। वहीं बजरंग पूनिया ने कहा कि कांग्रेस और देश को मजूबत करेंगे। भाजपा हमारे साथ खड़ी नहीं हुई। कांग्रेस में आने पर आलोचना हो रही है। विनेश फोगाट ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले रेलवे से इस्तीफा दे दिया।

राजनाथ सिंह ने दिया पीओके के लोगों को भारत में शामिल होने का ऑफर

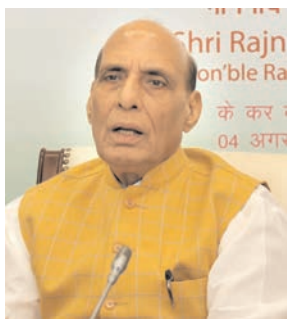

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी सिलसिले में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रामबन जिले के बनिहाल सीट से भाजपा उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान रक्षामंत्री ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों से भारत में शामिल होने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में व्यापक बदलाव आया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक काम करे कि आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर दे। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस हकीकत को जानता हूं कि आप दोस्त तो बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद बंद करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की भेंट चढ़ने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे ज्यादा मुसलमानों की जान गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 40,000 से ज्यादा लोगों की जान गई है।

छत्तीसगढ़ के भिलाई में मस्जिद के नाम पर अवैध कब्जे पर निगम का चला बुलडोजर

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई के सुपेला स्थित मस्जिद सैलानी बाबा दरबार (करबला मैदान) के आसपास बने सैकड़ों अवैध कब्जों पर भिलाई नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। तीन दिन पहले जारी किए गए नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, निगम ने सुबह 5 बजे से तोड़फोड़ शुरू की और सुबह 9 बजे तक सभी अवैध कब्जे हटा दिए। भिलाई नगर निगम ने अवैध कब्जों के खिलाफ नोटिस जारी कर कब्जाधारियों को तीन दिन के भीतर कब्जा हटाने का निर्देश दिया था। भिलाई नगर निगम ने सोमवार सुबह 5 बजे से शुरू की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई में सभी अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। क्षेत्र में संभावित विरोध को रोकने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था। भिलाई नगर निगम द्वारा सोमवार को आज तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इसके तहत मौर्य चंद्र टॉकीज के समीप हुए अवैध कबजों को पूरी तरह से हटा दिया। यहां पर मजिस्द- मजार के आसपास कब्जा कर 22 दुकानें बनाई गई थी। जिनको तोड़ा गया है। यहां पर पूरे साढ़े चार एकड़ जमीन पर कब्जा किया गया था। इसके अलावा सर्विस रोड पर किए गए कब्जों को भी हटाया गया। निगम की यह कार्रवाई सुबह छह बजे से शुरू हुई थी। पूरे अभियान में 10 जेसीबी, 30 डंफर और 2 चेन माउंटर का उपयोग किया गया। मौके पर एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार समेत 100 से ज्यादा जवानों और कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात थी। साडा के कार्यकाल में सैलानी बाबा दरबार के लिए 2.5 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। इस भूमि पर धीरे-धीरे लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया और दुकानें, दफ्तर, और चबूतरे बना लिए। इन अवैध कब्जों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, और मामला कोर्ट तक पहुंच चुका था। राज्य शासन ने जिला कलेक्टर को इस मामले पर निर्णय लेने के लिए 120 दिन का समय दिया था। कलेक्टर के निर्देश पर भिलाई निगम ने अवैध कब्जे हटाने का आदेश दिया और नोटिस जारी किया।

कोलकाता कांड से नाराज तृणमूल सांसद जवाहर ने की इस्तीफा देने की घोषणा

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर और भ्रष्टाचार मामले के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सरकार ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वे राजनीति से भी संन्यास लेंगे। जवाहर सरकार ने रविवार को पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखकर सरकार की कार्यशैली पर निराशा जताई। उन्होंने लिखा- कि मैं आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद एक महीने तक चुप रहा। मुझे उम्मीद थी कि आप अपने पुराने स्टाइल में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों के मामले में हस्तक्षेप करेंगी। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। सरकार अब जो भी कार्रवाई कर रही है, वह बहुत कम है और काफी देर से की जा रही है। राज्य में बहुत पहले ही सामान्य स्थिति बहाल हो गई होती, अगर भ्रष्ट डॉक्टरों के ग्रुप को तोड़ दिया जाता और गलत प्रशासनिक कार्रवाई करने के दोषियों को घटना के तुरंत बाद सजा दी जाती।

देश में मिला मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध केस, मरीज को आइसोलेट किया

नई दिल्ली। देश में एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) का पहला संदिग्ध मामला सामने आया है। मरीज एक युवक है, जिसने हाल ही में एमपॉक्स से जूझ रहे देश से यात्रा की है।

युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसे आइसोलेशन में रखा गया है। डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है और कई देशों में इसके बड़ी संख्या में मामले सामने आए हैं। भारत सरकार भी एमपॉक्स को लेकर कई दिनों से सतर्क है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि एमपॉक्स के संदिग्ध मरीज की हालत इस समय स्थिर है। युवक को एमपॉक्स है या नहीं, इसकी पुष्टि करने के लिए उसका सैंपल लिया जा चुका है और उसकी जांच हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि हालांकि, किसी भी अनावश्यक चिंता की कोई बात नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि देश इस तरह के अलग-अलग यात्रा संबंधी मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी संभावित जोखिम को प्रबंधित करने और कम करने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा 12 अफ्रीकी देशों में प्रकोप को ग्लोबल इमरजेंसी घोषित करने के तीन सप्ताह बाद भारत में संदिग्ध एमपॉक्स मामले का पता चला। एमपॉक्स को लेकर केंद्र सरकार जरूरी कदम उठाने लगी है। इसके लिए टेस्टिंग किट तैयार की जा रही है। सीडीएससीओ ने एमपॉक्स का पता लगाने के लिए तीन टेस्टिंग किट को मंजूरी दी है। ये आरटी-पीसीआर किट जांच के लिए पॉक्स के चकत्ते से तरल पदार्थ के सैंपल का प्रयोग करते हैं। आईसीएमआर ने भी इन किट्स को मंजूरी दी हुई है। बता दें कि एमपॉक्स कोई नहीं बीमारी नहीं है, लेकिन हाल के समय में इसके कई देशों में मामले सामने आए, जिसके बाद इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया गया। दुनिया के 116 देशों में एमपॉक्स के मामले मिल चुके हैं।

मौसम लेगा इम्तिहान- सितंबर के अंत तक सक्रिय रहेगा मानसून...इसके तुरंत बाद सर्दी का सीजन, मौसम की परिस्थितियां बदली

‘ला नीनो’ के असर से इस बार लंबे समय तक पड़ेगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। बीते कुछ वर्षों से सर्दी के सीजन की शुरुआत सामान्य महीनों की तुलना में देरी से शुरू होती आई है, लेकिन इस बार बन रही मौसम की परिस्थितियों के चलते सर्दी की आमद जल्द होने वाली है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुमान के मुताबिक जिस तरीके से ‘ला नीनो’ ने अपनी उपस्थिति के 90 दिनों के बाद सक्रियता दिखानी शुरू की है उससे ऐसे ही हालात बन रहे हैं। अनुमान यही लगाया जा रहा है कि इस बार मानसून की विदाई अपने वक्त से तकरीबन दो सप्ताह बाद हो सकती है। इसी के साथ सर्दी की आहट भी बीते कुछ वर्षों की तुलना में पहले आने का पूरा अनुमान है। फिलहाल मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की माने तो जाते हुए मानसून की अभी भी सक्रियता बनी हुई है। यह सक्रियता सितंबर के अंत तक चलने वाली है।

सितंबर में ही मिल गई ला नीना की आहट ला नीना का प्रभाव सितंबर से ही महसूस किया जा रहा है। इस वजह से सितंबर महीने में भी मानसून सामान्य स्थिति में है। मॉनसून की देरी से वापसी समुद्र के ठंडा होने से जुड़ी है, जिसने सामान्य मौसम पैटर्न को बाधित किया है, विशेषकर दक्षिणी और मध्य भारत में भारी वर्षा हो रही है। वैश्विक स्तर पर, ला नीना विभिन्न जलवायु परिवर्तनों से जुड़ा है, जिसमें अटलांटिक में तूफान की गतिविधि बढ़ना, दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में सूखा और दक्षिणपूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया में अधिक नम परिस्थितियां शामिल हैं।

आगामी सर्दी के लिए तैयार रहने की चेतावनी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सर्दी की तीव्रता अलग-अलग होने की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे उत्तरी राज्यों में विशेष रूप से कड़ाके की ठंड देखने को मिल सकती है, जिसमें तापमान संभावित रूप से 3 डिग्री तक गिर सकता है। इसके अलावा, ठंडे मौसम और बारिश में वृद्धि के कारण कृषि पर भी प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो शीतकालीन फसलों पर निर्भर हैं। आईएमडी ने नागरिकों से पर्याप्त हीटिंग रखने, आवश्यक आपूर्ति का स्टॉक करने और मौसम रिपोर्ट पर अपडेट रहने के लिए आगामी सर्दी के लिए तैयार रहने की चेतावनी किया है।

पूरे चार माह पड़ेगी ठंड आम तौर पर, ला नीना अप्रैल और जून के बीच शुरू होता है, अक्टूबर और फरवरी के बीच मजबूत होता है और नौ महीने से दो साल तक चल सकता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ आलोक सिंह कहते हैं कि जिस तरीके की परिस्थितियां अभी बन रही है उसे अनुमान लगाया जा रहा है कि सर्दियों का सीजन इस बार अक्टूबर से लेकर जनवरी तक का रहेगा। डॉक्टर सिंह कहते हैं कि सर्दियों का सीजन तो यही होता था लेकिन बीते कुछ वर्षों में क्लाइमेट चेंज के चलते सर्दियों के सीजन में तापमान बहुत ज्यादा दिनों के लिए नीचे नहीं गिरता था। अमूमन दिसंबर और जनवरी के महीने में ही तापमान में गिरावट दर्ज की जाती रही है। लेकिन इस बार ला नीनो की सक्रियता के चलते अनुमान लगाया जा रहा है कि सर्दी के सीजन की आमद अक्टूबर से शुरू हो सकती है। चूंकि ला नीनो का इफेक्ट लंबे समय तक बना रहेगा इसलिए 4 महीनो की सर्दी के पूरे सीजन में इस बार कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

अनंत चतुर्दशी के लिए इंदौर की बंद कपड़ा मिलों की झांकियां बनना शुरू

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर में 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति बप्पा को विदाई देने के लिए चल समारोह परंपरागत रूप से निकाला जाएगा। इस चल समारोह में निकलने वाली परंपरागत झांकियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पूरे प्रदेश से लोग शामिल होंगे। यह चल समारोह पूरी रात जारी रहेगा। इस चल समारोह को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने जहां अपनी तैयारी शुरू कर दी है। वहीं बंद पड़ी मिलों के श्रमिकों ने झांकियां बनाना शुरू कर दिया है। इंदौर की कपड़ा मिलें भले ही बंद हो चुकी हैं, लेकिन झांकियां निकालने की परंपरा 'मेहनतकश' अब भी कायम रखे हुए हैं। इसके लिए नगर निगम, आईडीए व अन्य संस्थान मदद जरुर करते हैं, लेकिन श्रमिकों का जज्बा भी कम नहीं है। यही वजह है कि इस बार भी मिल परिसरों में झांकियों का निर्माण शुरू हो गया है। अनंद चतुर्दशी पर यह झांकियां सड़कों पर झिलमिलाएंगी और श्रमिकों की मेहनत रंग लाएगी। इंदौर में गणेशोत्सव पर झांकियां निकालने की परंपरा को 100 साल पूरे हो गए हैं। यानी इस बार इन परंपरागत झांकियों का शताब्दी वर्ष है। इंदौर में झांकियों की यह परंपरा करीब 100 वर्ष पुरानी है,

होलकर साम्राज्य के समय जब शहर में कपड़ा मिल हुआ करती थी तब से मिल के कर्मचारी झांकी का निर्माण कर रहे हैं, समय के साथ शहर से मिल जरुर बंद हो गई हो गई, लेकिन शहर की परम्परा आज भी कायम है। मिल परिसरों में गणेश स्थापना के बाद कवि सम्मेलन, आकेस्ट्रा व अन्य सांस्कृतिक आयोजन होते थे। श्रमिक खुद आयोजन व झांकियों के लिए चंदा करते थे। स्वदेशी मिल की जमीन बिक चुकी है, लेकिन श्रमिक झांकियां तराश कर जनता के लिए उन्हें बनाते हैं। इस साल हुकमचंद मिल की जमीन भी बिक गई है। बीते 30 सालों में सभी मिल एक-एक कर बंद होते गए, लेकिन श्रमिकों ने झांकियां निकालने का सिलसिला जारी रखा। हुकमचंद, मालवा मिल, कल्याण मिल, राजकुमार मिल, स्वदेशी मिल के अलावा नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, खजराना गणेश मंदिर व अन्य संस्थान भी झांकियां निकालते हैं।

हुकमचंद मिल ने की थी शुरुआत

हुकमचंद मिल गणेशोत्सव समिति के नरेंद्र श्रीवंश ने के मुताबिक इंदौर में झांकियों को निकालने की शुरुआत हुकमचंद मिल ने सबसे पहले की थी। इंदौर की धरा पर सन 1923 में पहली बार सर सेठ हुकमचंद ने हुकमचंद मिल की पहली झांकी बैलगाड़ी पर निकालकर गणेश विसर्जन की शुरुआत की।

इसके बाद दूसरे मिल भी साथ आए और यह परंपरा बन गई। अकेला इंदौर ही है जहां अनंत चतुदर्शी पर इस तरह झांकियां निकाली जाती हैं। इसे देखने के लिए मालवा-निमाड़ के गांवों से भी लोग आते हैं। चल समारोह के अलावा तीन दिन मिलों में झांकियां रखी जाती है और मिल परिसर के आसपास मेले भी लगते हैं। इससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिलत है।

उद्योगपति और जनप्रतिनिधि कर रहे मदद

100 साल पुरानी झांकियों की परंपरा न टूटे इसको लेकर अभी से मिल मजदूरों ने इंदौर के विभिन्न समाज सेवियों सहित उद्योगपति और जनप्रतिनिधियों के दरवाजे खटखटाना शुरू कर दिये हैं। कई समाजसेवी और उद्योगपति इन मिल मजदूरों को झांकियां के निर्माण को लेकर राशि भी उपलब्ध करवा रहे हैं। इसी क्रम में एक संस्था द्वारा हजारों रुपए के चेक 5 मिल मजदूरों को उपलब्ध करवाए गए हैं। आने वाले दिनों में कई और लोग भी इन मजदूरों का सहयोग कर सकते हैं। आर्थिक धन अभाव के कारण और मिलों के बंद होने के कारण झांकी निर्माण में परेशानी आती है। अतः नेताजी सुभाष मंच के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया, देवीलाल गुर्जर ने इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, नंदानगर सहकारी साख संस्था और शहर के उद्योगपतियों व सामाजिक संस्थाएंओं से झांकी निर्माण में दोगुना सहयोग प्रदान कर मिलों की गणेशोत्सव समितियों की मदद करने की अपील की है, ताकि झांकियां शान से निकल सकें।

झांकी का रुट पारंपरिक ही रहेगा

कलेक्टर आशीष सिंह के मुताबिक इस आयोजन में जहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे तो वहीं पूरे झांकी मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही मार्ग को दुरुस्त करने के अलावा यहां अतिरिक्त लाईट भी लगाईं जा रही हैं। इसके अलावा जल्द ही एक बैठक के माध्यम से झांकियों के क्रम को लेकर भी चर्चा की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने साफ किया है की झांकी का रुट पारंपरिक ही रहेगा, जल्द ही इस रूट का दौरा सभी विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर किया जाएगा।

झाड़ियों से युवती चिल्लाई तो बचाया, हिंदूवादी संगठन पहुंचे थाने

इंदौर में भी सड़क पर दुष्कर्म की कोशिश...

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर में उज्जैन जैसी घटना होने से बच गई। शहरवासियों की जागरूकता के कारण एक लड़की की आबरू बच गई। रविवार सुबह हुई इस घटना ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में उज्जैन में सड़क पर हुए दुष्कर्म का मामला शांत भी नहीं हुआ है और इंदौर में भी इसी तरह की घटना का प्रयास किया गया। जानकारी के अुनसार विजय नगर क्षेत्र में रविवार अलसुबह एक युवती सैर पर निकली थी। रास्ते में तुलसी नगर का रहने वाले सोहेल खान युवती को जबरदस्ती पकड़कर झाड़ियों में ले गया। आरोपी सोहेल युवती के साथ जबरदस्ती करने लगा और उसके कपड़े उतारने लगा, इससे डरी-सहमी युवती ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इस पर सोहेल युवती के साथ मारपीट करने लगा। युवती की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और झाड़ियों के पास पहुंचकर सोहेल को पकड़ा। हिंदूवादी नेता

मानसिंह राजावत और उनके कार्यकर्ता सोहेल को थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। अलसुबह थाने पर वरिष्ठ अफसर नहीं होने की वजह से युवती के बयान नहीं हो पाए। दोपहर में युवती को बयान के लिए बुलाया। मानसिंह राजावत ने बताया कि युवक का मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिया है। उसके मोबाइल में कई लड़कियों के फोटो और वीडियो मिले हैं। उसके पास बड़ी संख्या में युवतियों के मोबाइल नंबर भी हैं। लोगों की जागरूकता से युवती की आबरू बच गई।

पुलिस को यह बताया युवती ने

युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक उसे जबरदस्ती झाड़ियों के पीछे ले जाकर जबरदस्ती कर रहा था। युवती मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। आरोपी के मोबाइल से कई लड़कियों के साथ फोटो-वीडियो मिले हैं। हिंदूवादियों ने आरोप लगाया कि आरोपी सोहेल खान इवेंट कंपनी से जुड़ा है इसलिए उसके लव जिहाद में शामिल होने की आशंका है। विजय नगर पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक का नाम सोहेल खान, निवासी तुलसी नगर है। युवती ने पुलिस को बताया कि वह रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। तभी विजय नगर स्थित मेदांता अस्पताल के नजदीक झाड़ियों के बीच खड़े सोहेल खान ने मुझे पकड़कर खींच लिया। और जबरदस्ती करने लगा।

युवती चिल्लाई तो हाथ पर काट लिया

युवती ने कहा कि वह चिल्लाई तो सोहेल ने उसके हाथ पर काट लिया। इस बीच आसपास से गुजर रहे लोग वहां इकट्ठा हो गए। इनमें हिंदूवादी नेता मानसिंह राजावत भी थे। उन्होंने लोगों की मदद से सोहेल खान को पकड़ा और विजय नगर थाने ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया। विजय नगर पुलिस ने युवती से आवेदन ले लिया है। राजावत ने बताया कि आरोपी सोहेल खान का मोबाइल चैक किया तो उसमें कई लड़कियों के फोटो-वीडियो मिले हैं। इनमें से अधिकांश लड़कियां हिंदू हैं। राजावत ने बताया कि सोहेल खान पर लव जिहाद की भी आशंका है। हालांकि सोहेल खान ने बताया कि ये सभी लड़कियां उसकी दोस्त हैं।

कामरेड होमी एफ. दाजी स्मृति राष्ट्रीय संवाद में बोलीं मेधा पाटकर

जीवनभर श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे होमी दाजी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। कामरेड होमी एफ. दाजी एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम है, जिसने हमेशा श्रम की प्रतिष्ठा बढ़ाई और जीवनभर श्रमिकों के अधिकारों और गैर बराबर समाज के लिए लड़ते रहे। होमी दाजी केवल इंदौर के ही नहीं देश और दुनिया के मजदूर नेता थे और जिन्हें सुनने के लिए भीड़ जमा हो जाया करती थी। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के हैं, जो उन्होंने पूर्व सांसद एवं जन नेता कामरेड होमी एफ. दाजी स्मृति राष्ट्रीय संवाद 'वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में हमारी भूमिका' में कहे। अभिनव कला समाज में यह आयोजन समाजवादी विचार प्रसार केंद्र न्यास, म.प्र., अभ्यास मंडल, श्रम संगठनों की संयुक्त अभियान समिति इंदौर, विचार मंच ने संयुक्त रूप से किया था। वक्ता के रूप में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, सामाजिक कार्यकर्ता जया मेहता, भाकपा म. प्र के राज्य सचिव मंडल सदस्य सत्यम सागर भी थे। अध्यक्षता इंटक के अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव ने की। फारूक दाजी भी मंच पर विशेष रूप से उपस्थित थे। मेधा पाटकर ने कहा कि देश में गैर बराबरी है। इस आर्थिक असमानता के चलते अमीर और अमीर और गरीब और गरीब होता जा रहा है। बांध निर्माण के नाम पर आदिवासी समाज को विस्थापित किया जा रहा है। केंद्र सरकार को अपनी टैक्स नीति में बदलाव लाना होगा ताकि देश की आर्थिक संपदा कुछ लोगों के हाथों में नहीं रहे। पाटकर ने कहा कि देश का श्रमिक वर्ग आज अपने अधिकार चाहता है। देश का किसान और मजदूर दोनों ही आज परेशान है और इनकी लड़ाई ताउम्र कामरेड दाजी ने लड़ी।

साम्राज्यवाद और पूंजीवाद का खुलकर विरोध किया

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्याम सुंदर यादव ने कहा कि आज संख्या में भले ही हम कम हैं, लेकिन हमें कोई भी कमजोर नहीं समझे। जब-जब मजदूर और किसान के हितों की अनदेखी होगी श्रमिक वर्ग खामोश नहीं बैठेगा। अभय दुबे ने कहा कि होमी दाजी ने हमेशा समाज में खड़े अंतिम व्यक्ति के लिए लडाई लड़ी। उन्होंने साम्राज्यवाद और पूंजीवाद का हमेशा खुलकर विरोध किया। दाजी ने हमेशा मेहनत कश मजदूरों और किसानों की जय जयकार की। आज के समय में दाजी को याद करने का मतलब उन मूल्यों को याद करना जिसकी आज की सरकार ने हत्या कर दी है। जो काम दाजी ने किया उसी पथ पर आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी चल रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा इसका प्रमाण है।

पूरी शिद्दत से निभाई जिम्मेदारी

जया मेहता ने कहा कि होमी एफ. दाजी का शुरुआती जीवन बड़ी गरीबी में बीता। वे सच्चे अर्थों में मजदूरों के बड़े जोशीले नेता थे और सारे इंदौर में उनका बड़ा मान-सम्मान था। उनकी विचारधारा एकदम स्पष्ट थी। वे अपने विचारों पर हमेशा अडिग रहे। उनकी मजदूरों के प्रति जो जिम्मेदारी थी, उसे उन्होंने पूरी शिद्दत से निभाया। होमी दाजी का मानना था कि जब तक देश को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आजादी नहीं मिलती तब तक वह अधूरी है। वे कॉरपोरेट संस्थाओं के सख्त खिलाफ थे, जो प्राय सरकार को दबाते हैं। सत्यम सागर ने कहा कि देश दाजी की राजनीति पर आज भी गर्व करता है जिनने 17 वर्ष की उम्र मे भारत की आजादी के आंदोलन में भाग लिया। दाजी की राजनीति ऐसी थी जिसे हराने के लिए उद्योगपतियों को अपनी तिजोरी तक खोलना पड़ी।

मॉडर्न होम्योपैथी इंदौर ब्रांच का शुभारंभ

सिटी चीफ इंदौर

मॉडर्न होम्योपैथी मल्टी स्पेशलिटी रिसर्च × ट्रीटमेंट कोल्हापुर की इंदौर ब्रांच पलासिया चौराहे पर 56 दुकान के पास का शुभारंभ नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के कर कमलों से हुआ। कैलाश जी ने सेंटर एवं होम्योपैथी उपचार की सराहना करते हुए बताया कि गम्भीर बीमारियों में कम खर्च में यदि कोल्हापुर के डॉ विजय माने की मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा में उपचार कम खर्चे में भी सम्भव है तो ये सभी के लिए हर्ष का विषय है जिससे निश्चित ही बहुत लोग लाभान्वित होंगे। संचालिका श्रीमती स्वाति कौशिक जी ने बताया सेंटर में लिवर ,सिरोसिस,

किडनी फेलियर, हार्ट फैलियर एवं अन्य गम्भीर बीमारियों के लिए उपचार इंदौर में भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उच्च प्रशिक्षित डॉक्टर्स की टीम अपनी सेवाएँ देंगे। शुभारंभ के अवसर पर दस 10 दिवसीय निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें सभी बीमारियों के लिए नि:शुल्क परामर्श एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को लगभग लागत मूल्य पर उपचार भी उपलब्ध कराया जाएगा दिया । इंदौर सेंटर की संचालिका श्रीमती स्वाति विजय कौशिक ने बताया कि मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा प्राइवेट की स्थापना 1996 में डॉक्टर विजय कुमार माने ने कोल्हापुर में की थी ,विगत 29 वर्षों में मॉडर्न होम्योपैथी चिकित्सा ने लगभग 180000 से अधिक गंभीर रोगियों को अपने देश भर में स्थापित 20 से अधिक सेंटर्स पर ठीक कर उन्हें स्वस्थ जीवन प्रदान किया है और अपनी विशेषज्ञ सेवाओं के लिए अब इंदौर शहर में अपना सेंटर शुरू किया है । जिसमें इंदौर शहर के ही सीनियर डॉक्टर डॉ अनुपम श्रीवास्तव, डॉ भगवान पटेल, डॉ कविता पटेल एवं डॉ नन्दिता द्विवेदी के साथ ही कोल्हापुर से डॉ विजय माने एवं उनकी लगभग 20 डॉक्टरों की टीम द्वारा जरूरत होने पर वर्चुअल परामर्श भी दिया जाएगा।

उम्मीद की किरण...ब्लड कैंसरग्रस्त महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। ब्लड कैंसरग्रस्त महिला ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। खास बात यह महिला के कैंसर का इलाज सरकारी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में हुआ। इस दौरान उसे बिना एडमिट किए दवाइयां देकर इलाज किया गया। डॉक्टर रोज उसके संपर्क में थे। सुखद पहलू यह कि महिला की डिलीवरी भी नॉर्मल हुई है। मां और दोनों बच्चे स्वस्थ हैं। महिला को क्रोनिक माइलॉयड ल्युकेमिया नाम का ब्लड कैंसर था। यह बहुत ही गंभीर और जान लेवा कैंसर में से एक है। इसमें गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चों दोनों की सलामती बहुत जरूरी होती है।अहम यह कि इसमें बहुत ज्यादा दवाइयां और कीमोथेरेपी नहीं दी जा सकती। प्रेगनेंसी के दौरान कैंसर का इलाज और भी ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है।

महिला का इलाज डॉ. अक्षय लाहोटी और उनकी टीम ने किया। उनकी क्लिनिकल हेमेटोलॉजी टीम ने इलाज के लिए पहले इंटरफेरॉन इंजेक्शन का उपयोग किया। बाद में इंजेक्शन नहीं मिलने के बाद इमाटिनिब नामक दवाई दी गई। महिला को गर्भावस्था के तीन

माह हो चुके थे इसलिए इस दवाई का उपयोग किया गया। इसके साथ देश और विदेश के हेमेटोलॉजी सहयोगियों से विशेष राय भी ली गई।

मरीज को बिना किए ओपीडी आधार पर इलाज किया गया जो अपने आप में अलग केस है।

सुपरिटैडेंट डॉ. सुमित शुक्ला ने बताया कि गर्भावस्था के 25वें हफ्ते में महिला पहली बार इलाज के लिए आई थी। तब उसका डब्ल्यूबीसी 2 लाख से ज्यादा था। ऐसे ही प्लेटलेट्स करीब 15 लाख थे। उसका प्लीहा भी बहुत बढ़ा हुआ था। इलाज के दौरान बीमारी को दो माह में ही काफी कंट्रोल में कर लिया गया। फिर एमटीएच में प्रसूति विभाग की प्रमुख डॉ. सुमित्रा यादव और उनकी टीम ने उसकी नॉर्मल डिलीवरी कराई। इसमें एक मेल और एक फीमेल हैं। इस तरह के जानलेवा कैंसर में मां की सलामती के लिए गर्भपात की भी सलाह देनी पड़ती है। कुछ ब्लड कैंसर में गर्भावस्था और प्रसव के लिए सलामती की जा सकती है।

सबसे बड़ा चैलेंज बिना भर्ती किए इलाज करना

सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डाक्टर्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज यह था कि गर्भवती होने के चलते गर्भवती युवती के इलाज में न ज्यादा गर्म दवाइयां दे सकते थे न ही कीमोथैरेपी या रेडिएशन से संबंधित किसी अन्य थैरेपी का इस्तेमाल कर सकते थे। आखिरकार सीनियर सर्जन डॉक्टर शुक्ला और डॉक्टर लाहोटी ने निर्णय लिया कि गर्भवती पीड़िता को हॉस्पिटल में बिना भर्ती किए उसकी डिलीवरी तक न सिर्फ इलाज करना है बल्कि निगरानी रखते हुए हर दिन की मेडिकल रिपोर्ट पर सुबह शाम नजर रखना है। यह निर्णय लेने के बाद क्लिनिकल हेमेटोलॉजी की टीम ने इलाज शुरू कर दिया।

कैंसर पीड़ित महिलाओं में मां बनने की उम्मीद जागी

बिना भर्ती किए ब्लड कैंसर से पीड़ित गर्भवती युवती के तीन महीने तक चले सफल इलाज का सकारात्मक परिणाम तब सामने आया। जब एमटीएच हॉस्पिटल की सीनियर गायनेकोलजिस्ट डॉक्टर सुमित्रा यादव की निगरानी में गर्भवती पीड़िता ने बिना ऑपरेशन के प्राकृतिक तरीके से स्वस्थ जुड़वा बालक, बालिका को जन्म दिया। यकीनन यह मामला मेडिकल साइंस में किसी चमत्कार से कम नहीं है। इलाज करने वाली क्लिनिकल हेमेटोलॉजी टीम का कहना है कि जानलेवा ब्लड कैंसर बीमारी से पीड़ित गर्भवती युवती का संपूर्ण रूप से जुड़वा स्वस्थ बच्चों को जन्म देना कैंसर से पीड़ित उन महिलाओं के लिए आशा की नई किरण है जिन्होंने इस बीमारी के डर से मां बनने की उम्मीद छोड़ दी है।

मुख्यमंत्री ने शासकीय महाविद्यालय हरसूद के लिए किया निःशुल्क बस सुविधा का लोकार्पण

प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखंडों में तैयार होंगे 100 सीटर मैट्रिक छात्रावास

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल/खंडवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को खंडवा जिले के खालवा में आयोजित जनजाति छात्र प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह में पहुंचे। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार खालवा पहुंचे सीएम ने मंत्री विजय शाह के अनुरोध पर हरसूद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों रुपए की सौगातों की घोषणा की। मुख्यमंत्री का आदिवासी नृत्य के बीच शानदार स्वागत किया गया। इस मौके पर सीएम ने घोषणा की कि प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखंडो में 100 सीटर मैट्रिक छात्रावास बनाए जाएंगे और सभी छात्रावासों में एक-एक रोटी बनाने की मशीन भी दी जाएगी। विद्यार्थियों के लिए खालवा में नया कॉलेज भवन बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम सेल्दामाल में परीक्षण कर बालिका खेल परिसर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब आदिवासी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव प्रयास कर रही है एवं विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के व्यक्तियों के सपनों को पूरा करने का कार्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। अगर आदिवासी बेटे बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो उसकी फीस सरकार द्वारा भरी

जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को सम्मान मिल रहा हैं,उनको किसान सम्मान के रूप में 10,000 रूपए प्रदेश सरकार द्वारा दिए जा रहे है।

उद्योगों के लिए बिजली में दी जाएगी छूट

उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों के इलाज के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है एवं एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें उचित उपचार प्रदान किया जा सकें। उन्होंने उद्योग व्यवसायों के लिए बिजली में छूट देने के लिए भी कहा, जिससे कि सभी उद्योग व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में संभाग स्तर पर भी इन्वेस्टर सबमिट आयोजित किये जा रहे हैं एवं छोटे-छोटे उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग एवं चिकित्सा महाविद्यालय में 97 लाख से अधिक छात्रवृत्ति देने का कार्य प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है। साथ ही कक्षा छठी से 12वीं तक के पढ़ने वाले लगभग 47 हजार विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति देने का कार्य किया गया है।

छात्र को विदेश में पढ़ाई के लिए दिया 35 लाख का चेक

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम गारबेडी के छात्र आशाराम पालवी को विदेश में पढ़ाई के लिए 35 लाख रुपए का चेक भी प्रदान किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। खंडवा जिले में 05 जून से 30 जून 2024 तक चलाए गए जल गंगा संरक्षण अभियान अंतर्गत निर्मित 251 तालाब, खेत तालाब, कुंए, परकोलेशन टेंक एवं अमृत सरोवर अंतर्गत निर्मित 104 तालाबों से एकत्रित पवित्र मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा तैयार की जाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड खंडवा परियोजना मंडल निगमित सामाजिक दायित्व योजना के तहत निःशुल्क चलित बर्तन बैंक सहित वाहन प्रदान किया। साथ ही उन्होंने शासकीय महाविद्यालय हरसूद में अध्यनरत मेधावी विद्यार्थियों के आवागमन की सुविधा के लिए निःशुल्क दो बसों का भी फीता काटकर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि गरीब आदिवासी भाई जो सपना देखते हैं उनके सपने को साकार करने का कार्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजाति वर्ग के व्यक्तियों को निराश होने की जरूरत नहीं है उनके हर कार्य को सफल बनाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आज जो बसों का लोकार्पण हुआ है उनका नाम छात्राओं के नाम से रखा जाएगा। केंद्रीय जनजातीय विभाग के मंत्री दुगार्दास उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज को एक नई दिशा एवं प्रेरणा देने का कार्य भी किया जा रहा है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने देश की तरकीब बदलने का कार्य किया है । उन्होंने कहा कि हरसूद क्षेत्र के विकास में मंत्री डॉ. शाह द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति छात्रों की इच्छा को पूरा करने का कार्य भी प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में विधायक कंचन तनवे, पंधाना विधायक छाया मोरे, मांधाता विधायक नारायण पटेल, महापौर अमृता यादव, आईजी अनुराग, डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, एसपी मनोज राय, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित शाह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटकों के लिए जिम, 5-स्टार होटलों जैसी सुविधाएं

सरसी आइलैंड बनेगा मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन केंद्र

सिटी चीफ भोपाल।

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए बाणसागर डूब क्षेत्र के सरसी आइलैंड को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि बाणसागर स्थित सरसी आइलैंड में लक्षद्वीप और खंडवा के हनुवंतिया जैसा महसूस होता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पर्यटकों के लिए जिम, 5-स्टार होटलों जैसी सुविधाऐं, आने जाने के लिए स्पीड मोटर बोट और डेस्टिनेशन वेडिंग कार्यक्रम के लिए आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सरसी आइलैंड रिसॉर्ट ब्यौहारी, शहडोल के सभागार में पर्यटन विकास निगम की बैठक में रिसॉर्ट में पर्यटन गतिविधियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण विषयों पार चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ला ने कहा कि सरसी आइलैंड में पर्यटक परिवार

लेकर आएं और यहां रुके इसके लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। रीवा से सरसी आइलैंड के आवागमन के सुगमता को बेहतर बनाने के प्रबंध किए जायें।

ताकि विंध्य क्षेत्र के अमरकंटक, बाधवगढ़, मैहर, मुकुंदपुर टाइगर सफारी जैसे अन्य पर्यटन स्थल में आने वाले पर्यटक भी सरसी आइलैंड में आयें और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाएं।

उप मुख्यमंत्री ने सरसी आइलैंड क्षेत्र में विचरण कर रहे गौवंश के लिए उचित व्यवस्थाए करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरसी आइलैंड क्षेत्र में गौवंश के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्थाएं कराए। सरसी आइलैंड रिसॉर्ट में रिक्त पड़ी भूमि में 100-100 गायों के लिए गौशालाओ का निर्माण कराया जाए, जिससे गौवंश के संरक्षण के साथ-साथ किसानों की फसलों को भी बचाया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने सरसी आइलैंड रिसॉर्ट में नीम के पौधे का रोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री ने वोट क्लब, जिम आदि सुविधाओं का निरीक्षण किया।

5 एकड़ में बनाया गया है सरसी आईलैंड

गौरतलब है कि सरसी आईलैंड लगभग 15 एकड़ की क्षेत्रफल में बनाया गया है। यहां पर पर्यटकों को पहुंचने के लिए मारकंडेय एवं इटमा में घाट बनाए गए हैं। घाट में वोट, पार्किंग एवं टॉयलेट सहित अन्य प्रकार की सुविधा भी उपलब्ध की गई है। सरसी आईलैंड में पहुंच मार्ग के लिए ग्राम सरसी में भी घाट बनने के लिए प्रस्तावित है। विधायक श्री शरद कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक दीवान सहित अन्य प्रशासनिक और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विदिशा, कटनी, मैहर समेत कई शहरों से गुजरेगी

पितृपक्ष में रानी कमलापति से गया के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

सिटी चीफ भोपाल।

रेल प्रशासन द्वारा पितृपक्ष के अवसर पर भोपाल के रानी कमलापति से गया बीच स्पेशल ट्रेन चलाएगा। बड़ी संख्या में श्राद्ध जैसे धार्मिक कार्य के लिए बिहार के गया जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-गया के मध्य 16 सितंबर से चार ट्रिप के लिए तथा गाड़ी संख्या 01668 गया-रानी कमलापति के मध्य 19 सितंबर से तीन ट्रिप के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजार्पुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी, सामान्य श्रेणी सहित कुल 21 कोच रहेंगे।

गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-गया पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 16.09.2024 (सोमवार), 21.09.2024 (शनिवार), 26.09.2024 (गुरुवार) एवं 01.10.2024 (मंगलवार) को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 13ः20 बजे प्रस्थान कर विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर एवं सतना से होते हुए अगले दिन

सुबह 8ः20 बजे गया स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01668 गया - रानी कमलापति पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 19.09.2024 (गुरुवार), 24.09.2024 (मंगलवार) एवं 29.09.2024 (रविवार) को गया स्टेशन से दोपहर 15ः10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सतना, मैहर, कटनी, दमोह, सागर, बीना, गंजबासौदा, विदिशा से होकर 11ः20 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

त्योहारी सीजन में दानापुर-सिकंदराबाद के बीच 11-11 फेरे स्पेशल ट्रेन, इटारसी में ठहराव

त्योहारी सीजन में रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर-सिकंदराबाद-दानापुर के बीच 11-11 ट्रिप सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन इटारसी स्टेशन पर ठहराव के साथ अपने गंतव्य की ओर जाएगी। रेलवे प्रशासन द्वारा त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दानापुर-सिकंदराबाद-दानापुर के बीच विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया गया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर रुकते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएगी। गाड़ी संख्या 03225 दानापुर-सिकंदराबाद सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 17 अक्टूबर 2024 से 26 दिसंबर 2024 तक प्रत्येक गुरुवार को दानापुर से रात 8ः50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 1ः30 बजे इटारसी पहुंचेगी। इटारसी से यह ट्रेन 1ः40 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 4ः40 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 03226 सिकंदराबाद-दानापुर स्पेशल ट्रेन 20 अक्टूबर 2024 से 29 दिसंबर 2024 तक प्रत्येक रविवार को सुबह 10ः00 बजे सिकंदराबाद से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 1ः10 बजे इटारसी पहुंचेगी। इटारसी से 1ः20 बजे रवाना होकर यह ट्रेन शाम 7ः00 बजे दानापुर पहुंचेगी।

8 महीने बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी का है इंतजार

कांग्रेस में प्रभारी सचिवों को जिलों की दी जिम्मेदारी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी को लगातार विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली बड़ी हार के बाद पार्टी संगठन को मजबूत करने अलग-अलग प्रयोग करती नजर आ रही है। विधानसभा चुनाव हारने के बाद कमलनाथ के स्थान पर प्रदेश अध्यक्ष की कमान जीतू पटवारी को दी गई है।हालांकि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी 8 महीने में अभी तक अपनी कार्यकारिणी की घोषणा नहीं कर पाए हैं । जबकि राष्ट्रीय स्तर पर जमावट शुरू हो चुकी है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मप्र के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठन में कसावट लाने के लिए जिलों के साथ-साथ अन्य जिम्मेदारियां प्रदेश के प्रभारी सचिवों और संयुक्त सचिवों को सौंपी है। इन्हें जिलों का प्रभार सौंपने के साथ संगठन के अन्य कार्यों के लिए भी जिम्मेदार बनाया गया है।

उन्होंने संजय दत्त, चंदन यादव, आनंद चौधरी, रणविजय सिंह को जिलों का प्रभार दिया है। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने दी।

इन्हें मिली जिम्मेदारी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मप्र प्रभारी चंदन यादव को श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर, विदिशा, रायसेन, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, पन्ना और जबलपुर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। यादव के साथ समन्वय के लिए युवा कांग्रेस और इंटक को भी शामिल कर जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि आनंद चौधरी को रतलाम, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, सीहोर, होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिण्डौरी, अनूपपुर आदि जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी विभागों और प्रकोष्ठों को भी इन जिलों में समन्वय हेतु चौधरी के साथ जोड़ा गया है। अभा कांग्रेस के सचिव मप्र प्रभारी रणविजय सिंह लोचभ को कटनी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और उमरिया की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिंह के साथ समन्वय हेतु एनएसयुआई और सोशल मीडिया को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मप्र प्रभारी संजय दत्त को एमपी के झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, भोपाल, शाजापुर, आगर मालवा, उज्जैन, देवास, इंदौर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन जिलों में दत्त के साथ समन्वय बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस, महिला कांग्रेस और सेवादल को भी शामिल किया गया है।

दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया 26 अक्टूबर से 21 नवंबर तक

बीफार्मा और डीफार्मा में प्रवेश के लिए पंजीयन कल से

सिटी चीफ भोपाल।

भोपल। तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) ने बीफार्मा और डीफार्मा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समय-सारिणी जारी कर दिया है। 10 सितंबर से पंजीयन प्रक्रिया शुरू होगी और 30 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान काउंसलिंग के तीन चरण होंगे।

पहले दो चरण आनलाइन व

सेंट्रलाइज्ड होंगे। इसके बाद कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) होगी। दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया 26 अक्टूबर से शुरू होगी, जो 21 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद सीएलसी 20 नवंबर से शुरू होगी, जो 30 नवंबर तक चलेगी। वहीं एम-फामेर्सी के आनलाइन पंजीयन 17 से 20 सितंबर तक किए जा सकेंगे। इस चरण में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे।

पुरानी पेंशन योजना की वापसी की मांग कर रहे हैं कुछ कर्मचारी

नई पेंशन योजना को लेकर असमंजस में कर्मचारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारत सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा कर दी हो पर मध्य प्रदेश में कर्मचारी इसको लेकर असमंजस में है। इसके प्रविधान को लेकर स्पष्टता नहीं है इसलिए कुछ जहां इसके समर्थन में हैं तो कुछ पुरानी पेंशन को ही बेहतर मान रहे हैं। कर्मचारी मंच ने तो पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए पोस्टकार्ड अभियान शुरू कर दिया है। उधर, सरकार को योजना के दिशा निदेर्शों की प्रतीक्षा है। इसके बाद ही वित्त विभाग द्वारा योजना को प्रदेश में लागू करने के संबंध में सभी पहलुओं पर विचार करने समिति का गठन किया जाएगा। प्रदेश में अभी कर्मचारियों के लिए दो तरह की पेंशन योजना लागू है। 2005 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना लागू की गई है। इसमें दस प्रतिशत राशि कर्मचारी को मिलनी होती है और 14 प्रतिशत राशि सरकार अंशदान के तौर पर देती है।

इसलिए कर्मचारी कर रहे हैं मांग

इसमें कई संवर्गों के कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्हें सेवानिवृत्त होने पर चार-पांच हजार रुपये ही पेंशन मिलेगी। जबकि, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में अंतिम वेतन की 50 प्रतिशत राशि पेंशन में मिलती है। इसे देखते हुए कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग कर रहे थे। कांग्रेस ने इसे चुनाव में मुद्दा भी बनाया। इसकी काट में भारत सरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लाई है। इसमें 25 वर्ष की सेवा के बाद 50 प्रतिशत पेंशन की गारंटी दी जा रही है। दस प्रतिशत राशि कर्मचारी की कटेगी पर सरकार साढ़े 18 प्रतिशत अंशदान देगी। परिवार पेंशन आदि की सुविधा भी दी गई है।

महाराष्ट्र सरकार ने इसे लागू करने का निर्णय कर लिया है पर मध्य प्रदेश में कर्मचारी इसको लेकर असमंजस में हैं। मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि पेंशन की गणना के लिए अंतिम वेतन कौन सा माना जाएगा, यह स्पष्ट नहीं है। मूल वेतन के 50 प्रतिशत को आधार बनाया तो कर्मचारियों को नुकसान होगा।

राज्य तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के सचिव उमाशंकर तिवारी का कहना है कि नई योजना में भी स्थिति स्पष्ट नहीं है इसलिए सभी पुरानी पेंशन बहाली के पक्ष में हैं। उधर, कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे कसा कहना है कि सरकार बार-बार कर्मचारियों को शेयर बाजार पर आधारित पेंशन योजना सौंप रही है। पहले पुरानी पेंशन योजनाको बंद करके 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) लाई गई थी और अब यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के कर्मचारियों को यह योजना मंजूर नहीं है। हम ओपीएस लागू करने की मांग के समर्थन में 30 दिसंबर तक पोस्टकार्ड अभियान चलाया जाएगा। वहीं, वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हम भारत सरकार से योजना का प्रारूप मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके मिलने पर समिति बनाकर परीक्षण कराकर सरकार को रिपोर्ट दी जाएगी। अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना है।

सम्पादकीय

सख्त कानून है फिर क्यों बढ़ रहे महिलाओं के खिलाफ अपराध?

जब अपराधियों को यथाशीघ्र कठोर दंड मिलता है तब वे हतोत्साहित होते हैं। नारी अस्मिता को कुचलने वाले दुष्कर्म सरीखे गंभीर अपराध में लिप्त तत्वों को जितनी जल्दी संभव हो कठोर दंड दिया जाना सुनिश्चित करने के साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि उस दूषित मानसिकता का निदान कैसे हो जिसके कारण महिलाओं को हेय दृष्टि से देखा जाता है। जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की ओर ध्यान आकृष्ट कर बिल्कुल सही किया। ये अपराध इसलिए कहीं अधिक गंभीर चिंता का कारण हैं, क्योंकि अनेक प्रयासों के बाद भी उनमें कमी आती नहीं दिख रही है।

कोलकाता डॉक्टर केस आजकल चर्चा में है। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस केस ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध की डरावनी तस्वीर पेश की है। कोलकाता के उस आरजी कर अस्पताल केस के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में कानून को और सख्त बनाते हुए विधानसभा से 'अपराजिता बिल' पास किया है। लेकिन क्या कठोर कानून बन जाने भर से महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी आ जाएगी? राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के मुताबिक, कानून सख्त होने के बाद भी अपराध हो रहे हैं। इसे रोकने के लिए शिक्षा पर ध्यान देना होगा। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अपराध में पितृसत्तात्मक सोच और कास्ट सिस्टम की बड़ी भूमिका को बताया। कपिल सिब्बल यू-ट्यूब पर एक शो करते हैं- दिल से विद कपिल सिब्बल। उनके यू-ट्यूब चैनल का नाम भी यही है। इसमें वे राजनीति, समाज, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मसलों पर हस्तियों के साथ बातचीत करते हैं, चर्चा करते हैं, इंटरव्यू लेते हैं। इस बार उन्होंने शो में रेप, मैरिटल रेप, डोमेस्टिक वायलेंस जैसे महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर चर्चा की है। इस चर्चा में उनके साथ तीन महिला पैनलिस्ट शामिल हुईं- बैंकर चांदनी भारद्वाज, डेंटिस्ट सुधी रस्तोगी और ऐडवोकेट मनीषा सिंह जो सिब्बल की टीम का ही हिस्सा हैं। चर्चा के दौरान मनीषा सिंह ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के पीछे पितृसत्तात्मक सोच को जिम्मेदार बताया। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि पितृसत्तात्मक सोच के साथ-साथ कास्ट सिस्टम भी है। इनका मिश्रण है। डॉमिनेंट कास्ट (प्रभावशाली जातियां) सोचती हैं कि उन्हें तो अधिकार मिला हुआ है। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी लोग ऐसे हैं लेकिन ऐसे लोग हैं। दरअसल यह भी एक तथ्य है कि जब अपराधियों को यथाशीघ्र कठोर दंड मिलता है तब वे हतोत्साहित होते हैं। नारी अस्मिता को कुचलने वाले दुष्कर्म सरीखे गंभीर अपराध में लिप्त तत्वों को जितनी जल्दी संभव हो कठोर दंड दिया जाना सुनिश्चित करने के साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि उस दूषित मानसिकता का निदान कैसे हो जिसके कारण महिलाओं को हेय दृष्टि से देखा जाता है। जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की ओर ध्यान आकृष्ट कर बिल्कुल सही किया। ये अपराध इसलिए कहीं अधिक गंभीर चिंता का कारण हैं, क्योंकि अनेक प्रयासों के बाद भी उनमें कमी आती नहीं दिख रही है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या ने सारे देश को आक्रोशित करने का काम किया, लेकिन इसके बाद भी दुष्कर्म के मामले थमते नहीं दिख रहे हैं। कोलकाता की घटना को लेकर हर स्तर पर रोष और आक्रोश के बाद भी देश के हर हिस्से से दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं की गिनती करना भी कठिन है। स्थिति यह है कि दुष्कर्मी बच्चियों तक को निशाना बना रहे हैं। कोलकाता के साथ देश के अन्य क्षेत्रों में दुष्कर्म की घटनाओं को देखते हुए कानूनों को कठोर करने और अपराधियों को सख्त सजा देने की जो मांग की जा रही है, उसकी पूर्ति की ही जानी चाहिए, लेकिन इसी के साथ इसकी भी आवश्यकता है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध के मामलों में त्वरित न्याय हो। साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि उस दूषित मानसिकता का निदान कैसे हो, जिसके कारण महिलाओं को हेय दृष्टि से देखा जाता है और जिसके चलते दुष्कर्म सरीखे अपराध होते हैं।

इंटरनेट का अंडरवर्ल्ड डार्क वेब...

कहा जाता है कि इंटरनेट के इस अंडरवर्ल्ड में सिर्फ खुफिया सूचनाएं ही उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि क्रिप्टो करेंसी का लेनदेन, फर्जी पासपोर्ट और लाइसेंस, हथियार, अश्लील सामग्री और मादक पदार्थ तक मौजूद हैं जो कुछ अधिक कीमत चुकाने पर अवैध रूप से मुहैया करा दी जाती हैं। इंटरनेट का यह अंडरवर्ल्ड उन लोगों ने तैयार किया है जो इस विचार के समर्थक हैं कि इंटरनेट को दुनिया के किसी भी कानून की हद में नहीं बांधा जा सकता है। साथ ही, ये लोग सरकारी या कानूनी एजेंसियों की ओर से इस डार्क वेब की निगरानी के भी सख्त खिलाफ हैं।

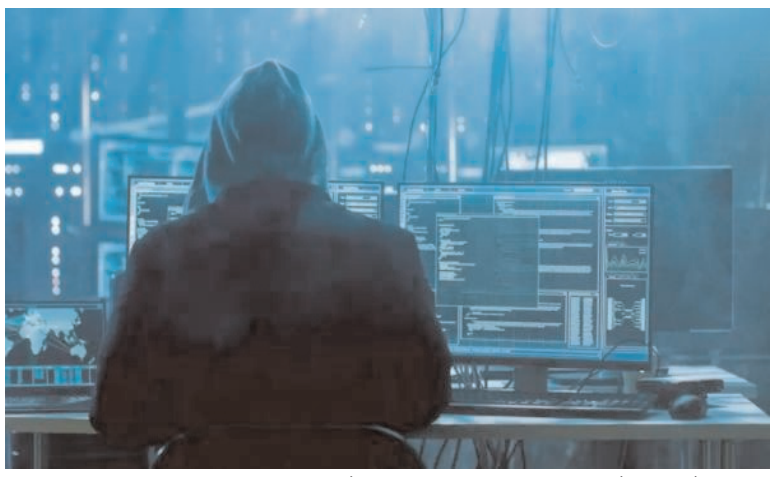

जितना इंटरनेट हमें वेबसाइटों, सोशल मीडिया मंचों और मैसेजिंग एप आदि के जरिये दिखाई देता है, उससे कई गुना बड़ी दुनिया खुफिया इंटरनेट यानी डार्क वेब की है जो इसका आपराधिक गतिविधियों वाला हिस्सा है। इसकी गुमनाम वेबसाइटें काला धन सफेद करने, मादक पदार्थों, हथियार खरीदारी और पोर्न तथा यौन दुर्व्यवहार के मामलों से जुड़ी हैं। कोई नहीं जानता कि वहां कितनी वेबसाइटें हैं। दावे हैं, डीप और डार्क वेब इंटरनेट का 96 फीसदी हिस्सा हैं जहां 24 लाख लोग प्रतिदिन कोई काला धंधा खोजते हैं। इसके लिए खास लेयर्ड ब्राउजर होते हैं। डार्क वेब की निगरानी बेहद मुश्किल है।

मानव सभ्यता की तरक्की को रोशनी से जोड़ा जाता है। वजह है अग्नि और फिर बिजली का आविष्कार। सदियों से अंधेरे में पड़ी दुनिया को इन चीजों ने सतत विकास के उजाले से भर दिया। लेकिन इससे अंधेरा खारिज नहीं हो जाता है। रात है, तभी तो दिन का महत्व समझ में आता है। फिर अंधेरा तो इस कायनात यानी ब्रह्मांड की मौलिक संरचना अर्थात बेसिक स्ट्रक्चर में शामिल है। हाल ही में,न्यू होराइजन यान से मिले आंकड़ों के आधार पर अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा का अंधेरे के वजूद पर एक अध्ययन सामने आया है। इसमें दावा किया गया है कि ब्रह्मांड का ज्यादातर हिस्सा अंधेरे से भरा है। लाखों आकाशगंगाओं और मंदाकिनियों से भरे ब्रह्मांड में सितारों की चमक और रोशनी मौजूद जरूर है, लेकिन अंधकार का साम्राज्य चारों तरफ बिखरा है। अंधेरे की इतनी चर्चा का इधर एक संदर्भ सोशल मीडिया से जुड़े मैसेजिंग एप- टेलीग्राम के सीईओ पावेल दुरोव की गिरफ्तारी से जुड़ता है। दावा किया जा रहा है कि पावेल दुरोव ने टेलीग्राम के जरिये होने वाले अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, बच्चों के साथ यौन-दुर्व्यवहार और धोखाधड़ी के मामलों को रोकने की बाबत कुछ नहीं किया। यह बात इंटरनेट की अंधेरी दुनिया की है जिसमें तमाम गोरखधंधे बिखरे पड़े हैं।

इंटरनेट के जिस खलनायकत्व वाले पहलू की चर्चा टेलीग्राम वाले मामले से जुड़कर शुरू हुई है, उसे डार्क वेब के नाम से जाना जाता है। जैसे एक दावा है कि हमारा ब्रह्मांड डार्क एनर्जी और अंधेरे से भरा हुआ है, बल्कि उसकी मात्रा प्रकाशमान और नजर आने वाले अंतरिक्ष के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। ठीक उसी तरह माना जाता है कि जो इंटरनेट हमें वेबसाइटों, सोशल मीडिया मंचों और मैसेजिंग एप आदि के माध्यम से दिखाई देता है, उससे बीसियों गुना बड़ी दुनिया इंटरनेट के नहीं दिखने वाले पहलू की है। यह पहलू इंटरनेट के खुफिया, अवैध या आपराधिक गतिविधियों वाले संसार का है। टेलीग्राम एप के सीईओ पावेल दुरोव पर आरोप है कि दुनियाभर में उनका यह एप पेपरलीक, शेयरों की सट्टेबाजी, अवैध लेनदेन से लेकर बच्चों के यौन उत्पीड़न का जरिया बन गया है। चूंकि दुरोव टेलीग्राम पर हो रही इन गतिविधियों की अनदेखी करते रहे, तमाम गुजारिशों के बावजूद इनकी रोकथाम की असरदार कोशिशें नहीं कीं, इसलिए मामलों की जांच के सिलसिले में उन्हें फ्रांस में गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि दूसरे सोशल मीडिया मंच और मैसेजिंग एप कोई दूध के धुले नहीं हैं। लेकिन टेलीग्राम की ओर से अवांछित गतिविधियों की निगरानी और रोकथाम के लिए कोई सद्इच्छा तक नहीं दिखाई जा रही थी, लिहाजा सीईओ को पकड़ लिया गया।

आज की तारीख में कोई नहीं जानता कि कितनी वेबसाइटें हैं, कितने कारोबार हैं जो इंटरनेट के उस संसार में मौजूद हैं जो हमें आम तौर पर नजर नहीं आता है। गूगल के जरिये या समाचार अथवा खरीदारी कराने वाली ईकॉमर्स वेबसाइटों के जरिये हम इंटरनेट पर जो कुछ देख पाते हैं, उसमें ज्यादातर का वास्ता हमारे रोजमर्रा के जीवन से होता है। हम इनसे सूचनाएं पाते हैं। हम इनसे घर बैठे कई किस्म के कामकाज कर पाते हैं। हमारे मनोरंजन का बहुत सा हिस्सा भी इन्हीं सामान्य रूप से दिखने वाली वेबसाइटों पर निर्भर है। लेकिन इंटरनेट पर तमाम तरह की आपराधिक गतिविधियां भी चल रही हैं। साइबर हैकिंग से तो हम परिचित हैं, लेकिन कई गुमनाम वेबसाइटें हैं जो काले धन को सफेद करने में, मादक पदार्थों, हथियारों की अवैध खरीदारी और पोर्न तथा यौन दुर्व्यवहार से जुड़े वाकयों से संबंधित बताई जाती हैं। यकीन करना मुश्किल है, लेकिन डार्क वेब पर साइनाइड जैसे खतरनाक जहर की होम डिलीवरी भी होती है। अवैध हथियारों की बिक्री के साथ-साथ भाड़े के हत्यारे (कॉन्ट्रैक्ट किलर), वसूली के एजेंट, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, जाली पासपोर्ट, नकली ड्राइविंग लाइसेंस और फर्जी सरकारी दस्तावेज भी उपलब्ध कराए जाते हैं। सरकारी वेबसाइटों और बैंकों के डेटा में सेंध लगाने वाले हैकरों की इस पर पूरी फौज उपलब्ध होने का दावा किया जाता है। एक दौर में यह दावा भी किया गया था कि इस्लामिक स्टेट जैसा आतंकी संगठन डार्क वेब के जरिये चंदा जुटाने का काम करता है। ये सारे गोरखधंधे एक ऐसे गुमनाम वैश्विक इंटरनेट सिस्टम का हिस्सा हैं जिनका ऊपरी तौर पर पता लगाना संभव नहीं होता है। कहा जाता है कि इंटरनेट के इस अंडरवर्ल्ड में सिर्फ खुफिया सूचनाएं ही उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि क्रिप्टो करेंसी का लेनदेन, फर्जी पासपोर्ट और लाइसेंस, हथियार, अश्लील सामग्री और मादक पदार्थ तक मौजूद हैं जो कुछ अधिक कीमत चुकाने पर अवैध रूप से मुहैया करा दी जाती हैं। इंटरनेट का यह अंडरवर्ल्ड उन लोगों ने तैयार किया है जो इस विचार के समर्थक हैं कि इंटरनेट को दुनिया के किसी भी कानून की हद में नहीं बांधा जा सकता है। साथ ही, ये लोग सरकारी या कानूनी एजेंसियों की ओर से इस डार्क वेब की निगरानी के भी सख्त खिलाफ हैं।

जब कभी भी डार्क और डीप वेब की बात उठती है, तो सबसे पहला सवाल यह सामने आता है कि आखिर इसका आकार दिखने वाले यानी सर्फेस इंटरनेट की तुलना में कितना है। दावे कहते हैं कि डीप और डार्क वेब मिलाकर इंटरनेट का 96 फीसदी हिस्सा घेरते हैं। हालांकि इसमें डीप वेब ज्यादा है जो सर्फेस वेब के मुकाबले 400-550 गुना ज्यादा है। जबकि डार्क वेब कहलाने वाले इंटरनेट के खालिस आपराधिक साम्राज्य का कारोबार महज कुछ हजार वेबसाइटों तक ही सिमटा हुआ है। हालांकि डार्क वेब के मुरीद काफी ज्यादा हैं। वर्ष 2023 में हुए एक आकलन के मुताबिक हर दिन औसतन 24 लाख लोग डार्क वेब की शरण में जाते हैं और वहां अपने मतलब का कोई काला धंधा खोजते हैं। हालांकि हमें यहां डीप और डार्क वेब का फर्क समझना जरूरी है। सर्फेस इंटरनेट के नीचे छिपा हुआ हिस्सा डीप वेब में गिना ज्यादा है जो मौजूदा इंटरनेट का कुल 90 फीसदी है। छिपा हुआ संसार तो डार्क वेब का भी है, लेकिन आपराधिक गतिविधियों को समर्पित अवैध धंधों वाले इस इंटरनेट का औसत 6 फीसदी ठहरता है। यह भी उल्लेखनीय है कि डीप और डार्क दोनों को ही सामान्य या आम सर्च इंजनों से खोजा नहीं जा सकता है। यानी यूजर डाटाबेस, पेमेंट गेटवे या ईकॉमर्स वेबसाइटों की तरह इनकी खोज नहीं की जा सकती है। इसे खोजने के लिए खास ब्राउजर चाहिए होते हैं। मोजिला या इंटरनेट एक्लप्लोरर जैसे आम ब्राउजर की तुलना में डार्क वेब तक पहुंचाने वाले ब्राउजर लेयर्ड होते हैं यानी वे परत-दर-परत सुरक्षित किए जाते हैं ताकि उनमें सिर्फ वही लोग दाखिल हो सकें जिन्हें इसके लिए इस दुनिया से जुड़े लोगों ने अधिकृत कर रखा हो। इसका एक और खास पहलू है। वह यह कि सर्फेस, ओपन या आम इंटरनेट पर तो नजर रखी जा सकती है और उसकी ट्रैकिंग कहीं से भी संभव है। लेकिन डार्क वेब की निगरानी करना मुश्किल है। इसका कारण यह है कि इससे जुड़ी वेबसाइटों के आईपी एड्रेस को सॉफ्टवेयर की मदद से छिपा दिया जाता है। ऐसे में गूगल करने या ट्रैक करने वाली तकनीकों के जरिये इनके असली वेब एड्रेस और इस्तेमाल करने वालों (यूजर्स) तक पहुंचा नहीं जा सकता है। ऐसे में यह जानना लगभग नामुमकिन हो जाता है कि कौन सा शख्स दुनिया के किस कोने में बैठकर क्या बेच या खरीद रहा है। ऐसे में यह डार्क वेब आपराधिक किस्म के लोगों का अड्डा बन गया है और पुलिस व खुफिया एजेंसियां चाह कर भी इन पर हाथ नहीं डाल पाती हैं। इन्हें पकड़ने का एक रास्ता कारोबार में वैध करेंसियों के इस्तेमाल की निगरानी के जरिये मिल सकता है। यानी यदि कोई शख्स रुपये या डॉलर के डिजिटल स्वरूप जैसे ई-रुपये या यूपीआई से कोई भुगतान करता है या रकम प्राप्त करता है, तो उस करेंसी ट्रेल को ट्रैक किया जा सकता है। लेकिन अपराधियों से इससे बचने के लिए बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इन क्रिप्टो करेंसियों की खूबी यह है कि इसमें यह पता लगाना संभव नहीं है कि रकम एक हाथ से निकलकर किस दूसरे हाथ में पहुंची है और लेनदेन का रास्ता यानी ट्रेल क्या था।

डार्क वेब की पड़ताल में एक और बड़ी बाधा है। देखा गया है कि जिस तरह पाइरेसी (फिल्मों, गीतों की नकल) और पोर्न (अश्लील सामग्री) साइटों को एक बार बंद कराने के बाद वे नए नाम से बाजार में हाजिर हो जाती है, उसी तरह यदि किसी तरह डार्क वेब की कुछ वेबसाइटों को खोजबीन कर बंद कराया जाता है, तो वे नए रूप और कलेवर में अपनी ग्राहकों को उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसा नहीं है कि दुनिया में डार्क वेब के काले धंधे पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं हुई है। अब से करीब डेढ़ दशक पहले मादक पदार्थ मुहैया कराने वाली डार्क वेबसाइट सिल्क रोड को अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने बड़ी मशक्कत के बाद 2013 में बंद करा दिया था। लेकिन पाया गया है कि एक साल बाद के अंतराल में ही 2014 से यह फिर से नशे का एक बड़ा बाजार बन गई थी। तब यूरोपोल (यूरोपीय खुफिया एजेंसी) की मदद से एफबीआई ने एक बार फिर इसे बंद कराया। इसके साथ-साथ मादक पदार्थों की दो अन्य डार्क वेबसाइटों- हंसा और एल्फाबे को एक टास्कफोर्स (डच नेशनल पुलिस, एफबीआई और डीईए ने मिलकर यह टास्कफोर्स बनाई थी) बंद कराया था। दावा किया गया कि इस छापेमारी में डार्क वेब के इन बाजारों के डाटाबेस से दुनिया भर में फैले नशे के कारोबारियों और खरीदारों के सुराग मिले थे, लेकिन इससे भी डार्क वेब पर यह कारोबार थमा नहीं।

यूरोप को अतीत नहीं, भविष्य की जरूरत

नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान भी अहम

कई मामलों में यूरोप, अमेरिका से भी आगे है। यूरोप ने पूंजीवाद की सबसे कठोर धार को नरम किया, सुरक्षा जाल प्रदान किया और महत्वपूर्ण तरीकों से खुशहाली के मामले में अमेरिका से आगे निकल गया। यूरोपीय शिशुओं की मृत्यु की आशंका अमेरिका की तुलना में कम है, यूरोप में प्रसव अमेरिका की तुलना में कम खतरनाक है, और यूरोपीय लोग लंबे समय तक जीवित रहते हैं। उत्तरी यूरोप के लोग अमेरिकियों की तुलना में कम काम करते हैं। अमेरिकियों के 1,800 घंटे की तुलना में वे प्रति वर्ष केवल 1,400 या 1,500 घंटे काम करते हैं और अधिकांशत: सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल, मुफ्त या सब्सिडी वाली बाल देखभाल और अच्छे सार्वजनिक स्कूलों का आनंद लेते हैं। विश्वविद्यालय की शिक्षा अक्सर मुफ्त या सस्ती होती है। यदि आप डेनमार्क में मैकडोनल्ड्स में बर्गर बनाते हैं, तो आपको प्रति घंटे 20 डॉलर से यादा का भुगतान किया जाता है, साथ ही आपको छह सप्ताह की सवैतनिक छुट्टी, एक साल का मातृत्व अवकाश और पेंशन योजना का आनंद मिलता है। इतना होने पर भी यूरोप आज आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पिछले साल अमेरिकी अर्थव्यवस्था (2.5 फीसदी) यूरोपीय संघ (0.4 फीसदी) की तुलना में छह गुना तेजी से बढ़ी। अमेरिका के पास एपल, गूगल और मेटा जैसी तकनीकी सफलताएं हैं, लेकिन बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया की शीर्ष 10 तकनीकी कंपनियों की हाल ही में जारी की गई सूची में एक भी यूरोपीय कंपनी नहीं है। यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से यादा मूल्य की स्टार्ट-अप) की एक सूची से पता चलता है कि अफ्रीका के छोटे-से देश, सेशेल्स में यूनान जितनी ही ऐसी कंपनियां (दो) हैं, जबकि इटली या बेल्जियम में तीन कंपनियां हैं। फ्रांस ऑलमंड्स क्रोइसैन्ट, लग्जरी ब्रांड और एक शानदार जीवनशैली प्रदान करता है। लेकिन अगर यह एक राय होता, तो यह प्रति व्यक्ति सबसे गरीब रायों में से एक होता, अर्कांसस के बराबर।

इस बीच, यूरोप की जनसंख्या इस दशक में चरम पर है और 14वीं सदी में ब्लैक डेथ (प्लेग फैलने) के बाद पहली बार इसमें उल्लेखनीय गिरावट आने वाली है। जनसंख्या में गिरावट और समाजों की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया इस तरह से जारी रहने की आशंका है, जिससे महाद्वीप का प्रभाव कम हो जाएगा। सैन्य दृष्टि से पश्चिमी यूरोप अमेरिका पर निर्भर है और अपने दम पर रूस का मुकाबला करने में असमर्थ है। पोलैंड और बाल्टिक राय अपनी पूरी ताकत लगाए हुए हैं, लेकिन दुर्भाग्य से यूरोप में आज कोई वास्तविक नेता नहीं है = जर्मनी के चांसलर इस भूमिका को निभा सकते हैं, लेकिन ओलाफ शोल्ज एंजेला मर्केल की छाया मात्र हैं। कभी इस क्षेत्र का इंजन रहे जर्मनी को अब कभी-कभी यूरोप का बीमार देश कहकर खारिज कर दिया जाता है। आंशिक रूप से इसलिए यह चिंता बढ़ रही है कि लड़खड़ाती जर्मन सरकार यूक्रेन को समर्थन देना बंद कर सकती है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नेतृत्व करने को तैयार हैं, हालांकि कोई नहीं चाहता कि वह ऐसा करें। मैक्रों ने अप्रैल में सोरबोन में चेतावनी दी थी, हमारा यूरोप नष्ट हो सकता है; वह इस खतरे के प्रति सजग हैं, लेकिन देश या विदेश में उनके बहुत कम सहयोगी हैं।

वर्ष 2005 में राजनीतिक वैज्ञानिक मार्क लियोनार्ड ने अपनी पुस्तक में बताया कि क्यों यूरोप 21वीं सदी को चलाएगा। लेकिन एक यूरोपीय गणना के अनुसार, यदि अर्थव्यवस्थाएं वर्तमान गति से बढ़ती रहीं, तो 2035 तक औसत अमेरिकी और औसत यूरोपीय आर्थिक रूप से उतने ही दूर हो जाएंगे, जितने आज औसत यूरोपीय और भारतीय हैं। निष्पक्ष रूप से कहें, तो अंतर का आकलन इस बात पर भी निर्भर करता है कि किस विनिमय दर का उपयोग किया जाता है। अंतर बढ़ने का एक कारण यह हो सकता है कि राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका कंप्यूटर चिप्स, बैटरी और हाई-स्पीड इंटरनेट में निवेश कर रहा है; जबकि यूरोपीय संघ अपने बजट का लगभग एक-चौथाई हिस्सा कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवंटित करता है, कभी-कभी अधिक उत्पादन के लिए सब्सिडी देता है, ताकि यूरोप को तथाकथित अत्यधिक वाइन उत्पादन को हैंड सैनिटाइजर में बदलने के लिए भुगतान करे। नतीजतन यूरोप के प्रतिस्पर्धात्मक संकट के बारे में चिंता बढ़ रही है।

ताकि सबको भोजन मिल सके... निरादर रोकने के लिए अन्न को पुनः भगवान के रूप में स्थापित करना होगा

कहीं देखें तो भोजन की थाली भरी हुई है और समझ नहीं आता कि क्या खाएं, क्या न खाएं। वहीं कुछ ऐसे लोग भी मौजूद हैं, जो बस इस इंतजार में रहते हैं कि कहीं से थाली में क कुछ आ जाए। यह समस्या मात्र भारत की नहीं, अपितु संपूर्ण विश्व की है। लेकिन जो सक्षम हैं, उनके लिए यह न चिंता का विषय है, न ही कोई सुधार का। उनका मानना है कि गाज तो सिर्फ अक्षम पर गिरती है। लेकिन जो भोजन की बर्बादी कर रहे हैं, उन्हें यह एहसास भी नहीं है कि वे स्वयं अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहे हैं। एक लंबा सफर गुजर गया, जब दुनिया के समस्त राष्ट्रों ने पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक समता एवं सामंजस्य वाले लक्ष्यों को पाने के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उन संकल्पों को वर्ष 2030 तक प्राप्त करना है, लेकिन आज भी नियंत्रित एवं निर्मूल की जा सकने वाली खाद्य बर्बादी जैसे विषय पर प्रगति नगण्य है। वास्तविकता तो यह है कि एक तिहाई कार्बन उत्सर्जन के लिए दोषी खाद्य व्यवस्था नियंत्रित नहीं हो पा रही। तथ्य यह भी है कि खाद्यान्न बर्बादी एवं नुकसान पर नियंत्रण से सतत विकास लक्ष्य दो, आठ, बारह व तेरह एक साथ साधे जा सकते हैं।

आम तौर पर कार्बन उत्सर्जन के लिए गाड़ियों एवं परिवहन के अन्य साधनों को दोषी ठहराया जाता है, जो भौतिकतावादी युग में निरंतर बढ़ती जा रही हैं। लेकिन बिगड़ती हुई या यों कहें, छद्म गरिमा से विकृत हो रही भोजन व्यवस्था, जो तात्कालिक रूप से सुधारी जा सकती है, संपूर्ण परिदृश्य से बाहर है। इस विकृति के चलते और बढ़ते स्वरूप से संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खतरा पैदा हो रहा है। पश्चिमी एवं विकसित देशों में इस बावत चिंता ज्यादा गहरा रही है और खाद्यान्न के उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर कदम पर बर्बादी को रोकने हेतु संगठित प्रयास किए जा रहे हैं। इन देशों में भोजन करने की पद्धति का विश्लेषण करते हुए ट्रे संस्कृति को हतोत्साहित करने एवं भोजन हेतु छोटी प्लेट के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न प्रसंस्कृत एवं अन्य खाद्य सामग्री की पैकेजिंग के आकार और मात्रा को नियंत्रित करने के बाबत भी कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत में खाद्यान्न एवं भोजन दान की परंपरा आदिकाल से रही है एवं सनातन धर्म में इसे पुण्य कमाने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। किंतु भोजन दान की प्रक्रिया में यह भी आकलन नहीं हो पाता कि किस व्यक्ति या वर्ग की क्या आवश्यकताएं हैं। परिणामस्वरूप दान औचित्यहीन हो जाता है। इस परिदृश्य के दृष्टिगत आवश्यकता है कि नीतिगत स्तर पर मानक तय हों एवं दान हेतु भी सख्त नियम-कायदे बनें। सर्वप्रथम बर्बादी से बचाव हेतु दंडात्मक व्यवस्था की भी आवश्यकता है, ताकि जूठन छोड़ने का दुस्साहस भी नहीं हो। इसी तरह, खाद्य सामग्री निर्माता को भी निर्माण से विपणन, उपभोग और निस्तारण की संपूर्ण ट्रैकिंग व्यवस्था कायम करनी होगी। वर्तमान में किसी भी निर्माता द्वारा बहुमूल्य खाद्य सामग्री को जलाकर निस्तारण करने के आंकड़े जाहिर नहीं किए जाते। ट्रैकिंग के माध्यम से उसके उपयोग हेतु निर्धारित अवधि में ही विभिन्न माध्यमों से वितरण की व्यवस्था की जा सकती है। इस बाबत सबसे पहले फ्रांस ने भोजन बर्बादी रोकने हेतु खुदरा एवं बड़े विक्रेताओं को वाध्य करने हेतु कानून लागू किया था, जिसका अनुसरण अनेक देशों ने किया है। शायद आम जन को यह जानकर दुखद आश्चर्य हो कि लगभग सभी विशिष्ट खाद्य निर्माता कंपनियां हर माह अपने डिपो से बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री सीमेंट प्लांट में जलाने हेतु भेजती हैं, जिसके लिए एक बड़ा वर्ग तरसता है। हमारी संस्कृति में अन्न को ही ब्रह्म माना जाता है, तो उसको जलाना या बर्बाद करना कितना न्यायोचित है, या यों कहें कि यह सीधा-सीधा पाप है।

हाल ही में ग्लोबल फूड बैंकिंग नेटवर्क द्वारा जारी रिपोर्ट में अधिकाधिक फूडबैंक स्थापित करने की महत्ता के बाबत प्राकट्य तथ्यों में उल्लेख किया है कि एक फूडबैंक की स्थापना से लगभग एक हजार कारों के समकक्ष कार्बन उत्सर्जन को रोकने में मदद मिल सकती है और इसका लाभ दस वर्षों तक लगाए 63 हजार पौधों के समकक्ष होगा।

भोजन दान की हमारी संस्कृति को तकनीकी आधारित फूडबैंक से जोड़कर उचित व्यक्ति पोषक भोजन पहुंचाने की आवश्यकता है। इस बाबत नीति निर्माण के माध्यम से स्वैच्छिक, सामाजिक संस्थाओं और दंड व्यवस्था को प्रोत्साहित करना समय की मांग है। सबको अपने मन में पुन: अन्न को भगवान रूप में स्थापित करना होगा, ताकि उसका निरादर न हो।

अखिल भारतीय बलाई समाज के तत्वाधान में संभाग स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

गुरूजनों का हुआ स्वागत-सत्कार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, संभाग स्तरीय समारोह में शिक्षकों का सम्मान किया गया। अखिल भारतीय बलाई समाज के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया के नेतृत्व में रविवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अरुण भीमावद रहे। अध्यक्षता समाजसेवी राजेन्द्र राधाकिशन मालवीय ने की। विशेष अतिथि के रूप में बाबूलाल मालवीय, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे, समाजसेवी गणेश धाकड़, प्रमोद डोंगलिया, अशोक खिंची, डॉ मनोज कुमार पंचोली, राजाराम परमार, यशवंत मालवीय, उमेश टेलर, कमल मालवीय, विपुल परमार्थी, रामचंद्र चौहान मंचासीन थे। कार्यक्रम में 6 जिले के शिक्षक-शिक्षिका सम्मान के लिए शामिल रहे। इस दौरान सामाजिक समरसता में सर्व समाज के 151 गुरुजनों का सम्मान किया गया। साथ ही वरिष्ठ नागरिक सम्मान से भी समाजजनों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्वागत भाषण में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया ने सभी गुरुजनों को नमन करते हुए उनकी उपस्थिति को सूर्य के समान बताया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भीमावद ने कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा है, उनके बिना समाज की उन्नति और प्रगति संभव नही है। सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने और स्कूलों को सर्व सुविधायुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक शिक्षक के लिए सरकार की ओर से विधायक सदैव उपलब्ध है। जिला शिक्षा अधिकारी दुबे ने हुए कहा कि शिक्षक का मूल कर्तव्य वंचित वर्ग तक शिक्षा रूपी प्रकाश को फैलाना है। सभी को शिक्षा का समान अधिकार मिले यही एक शिक्षक का कर्तव्य है। राजेन्द्र राधाकिशन मालवीय ने कहा कि एक लडक़ी अगर शिक्षा ग्रहण करती है तो एक साथ दो लोगों के परिवारों को रोशन करती है इसलिए महिला शिक्षा पर जोर अवश्य दें। कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह देकर गुरुजनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल गोयल, बद्रीप्रसाद सौराष्ट्रीय, शिवनारायण धारिया, धर्मेंद्र मालवीय, राजेश सिसनोरिया, अमन मालवीय, संतोष मेवाड़ा, बहादुरसिंह मालवीय, मोनू मालवीय, विजय कुलमिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, मातृशक्ति और समाजजन मौजूद रहे। संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल मालवीय ने किया।

ऋषि पंचमी पर महिलाओं ने की विशेष पूजा-अर्चना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जाने अनजाने में हुए पापों के प्रक्षालन के लिए महिलाओं द्वारा ऋषि पंचमी पर व्रत रखकर पूजा-अर्चना की गई और इसीके चलते शहर के शिवालयों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महिलाओं ने बताया कि शास्त्रानुसार जाने अनजाने में हुए पापों की क्षमा मांगने और घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना को लेकर ऋषि पंचमी का व्रत किया जाता है। इसी परंपरा के चलते व्रत रखकर रविवार को पूजा की गई। इस दिन मोरधज का पंच ऋषियों को भोग लगाया और मोरधज से बनी सामग्री का ही सेवन किया गया।

दशहरा पर्व को लेकर सर्व हिंदू उत्सव समिति की बैठक संपन्न

सर्व हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पंडित आशीष नागर की अध्यक्षता में हुई बैठक

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, स्थानीय श्री कृष्ण व्यायाम शाला में दशहरे पर्व को लेकर सर्व हिंदू उत्सव समिति की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता सर्व हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पंडित आशीष नागर ने की बैठक में पंडित आशीष नागर द्वारा दशहरा पर्व को लेकर चर्चा की साथ ही समाज से आए हुए नाम पर विचार करते हुए बैठक में उपस्थित श्री कृष्ण व्यायामशाला के ट्रष्टि सर्व हिंदू उत्सव समिति के संरक्षकगण समिति के पदाधिकारी गण से चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष पद पर गजेंद्र सिंह जी सिकरवार , सचिव प्रेम यादव, कोषाध्यक्ष अतुल पालीवाल, सहसंयोजक सत्या वात्रे, को मनोनीत किया गया जिस पर सभी सदस्यों के द्वारा करतल ध्वनि से समर्थन करते हुए नव नियुक्त पदाधिकारी का स्वागत कर उन्हें बधाई प्रेषित की गई इस अवसर पर पंडित संतोष जी जोशी, प्रदीप जी चंद्रवंशी, तुलसीराम जी भावसार, नरेश जी कसान ,किरण जी ठाकुर ,महेश जी भावसार, महेश जी प्रजापत ,सीताराम जी पवैया ,धर्मेंद्र जी प्रजापति धनराज जी गवली ,अनिल जी मालवीय,राजेश जी पारछे, दीपक जी निगम, राहुल जी परमार ,सुभाष जी राठौड़, महेश जी गवली ,चीनेश जी गवली विष्णु जी गवली ,आलोक जी गुप्ता ,गोविंद जी नायक ,अजय जाटव ,नरेंद्र प्रजापति आदि सदस्य गण उपस्थित रहे बैठक का संचालन महासचिव मनीष जी सोनी ने किया आभार महासचिव गोपाल सिंह राजपूत ने माना।

आवारा मवेशियों की गिरफ्त में नगर की सडक़ें

नपा की उदासीनता के कारण राहगीर परेशान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, दर्जनों गौशालाओं के बावजूद शहर के गली-मोहल्लों में नगरपालिका की उदासीनता के कारण आवारा मवेशियों का जमघट लगा हुआ है। नतीजतन सडक़ों पर दर्जनों के झूंड में बैठकर मार्ग को अवरूद्ध करने वाले मवेशियों की वजह से बड़ा हादसे का अंदेशा बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदार हैं कि इस ओर ध्यान देना भी उचित नही समझ रही हैं। उल्लेखनीय है कि नगर के व्यस्ततम मार्ग नई सडक़ से लेकर मीरकला बाजार तक में अतिक्रमणकर्ताओं और बेतरतीब खड़े वाहनों की वजह से दिन में दर्जनों बार की स्थिति बनती है। साथ सडक़ों पर डेरा जमाए बैठे आवारा मवेशी जाम में फंसे लोगों को लंबे समय तक

राहत नही लेने देते हैं। नगर से गुजरे एबी रोड़ से लेकर आजाद चौक, छोटा चौक, किला रोड़, धोबी चौराहा, महूपुरा चौराहा, धानमंडी चौराहा, रेलवे स्टेशन रोड़, आदर्श कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर दिनभर आवारा मवेशी लोगों को मुसीबत में डालते नजर आ रहे हैं। झूंड में बैठे मवेशी कई बार आपस में भिड़ भी जाते हैं जिसकी वजह से राहगीरों की जान पर हमेशा खतरे की तलवार लटकी रहती है, परंतु नगरपालिका द्वारा इन मवेशियों को नगर से दूर रखने के लिए कोई कदम नही उठाया जा रहा है। **कलेक्टर के निर्देशों का नही हो रहा पालनः** गौरतलब है कि आवारा मवेशियों के कारण आमजन को हो रही परेशानी को देखते हुए कलेक्टर ने सडक़ों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे आवारा पशुओं को गोशाला पहुंचाने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने बैठक के दौरान जिलेभर के सीएमओ को निर्देशित किया था कि क्षेत्रों में आवारा मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, इसके लिए सभी सीएमओ आवारा मवेशियों को आसपास की गौशालाओं में भेजें, किंतु अब तक कलेक्टर के निर्देशों का पालन नही हो सका है और यही कारण है कि आवारा मवेशी शहर की सडक़ों पर कब्जा जमाए हुए हैं।

रेस्टोरेशन के नाम पर लीपा पोती कर बनाई जा रही स्टेशन रोड

करोडों के बजट हो रहा गोलमाल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, बहु प्रतीक्षित स्टेशन रोड में इन दिनों करोड़ों के बजट से रेस्टोरेशन के तहत सड़क बनाई जा रही है जो अत्यंत निचले स्तर की है । सिर्फ गिट्टी भरकर ऊपर से लेप किया जा रहा है । दुखद पहलू तो यह है कि जहां एक ओर महापौर का कहना है कि सड़क बनाने के पहले एक फुट सड़क खोदकर कंक्रीट बेस्ड को मजबूत किया जाएगा । लेकिन ऊपर से ठेकेदारों की लूट के चलते पूरी सड़क गुणवत्ता विहीन बन रही है , यूं तो कहने के लिए जिला सरकार से लेकर देश तक की सरकार ट्रिपल इंजन की है पर स्टेशन पहुंचने वाले लोगों को किस हाल से गुजरना पड़ रहा है। आने वाला समय ही बताएगा।

ठेकेदारों का है बोलबाला- पूरे शहर में करोड़ों की लागत से बन रही सड़कों में जिस तरह लंबे चौड़े बजट का प्रावधान किया गया है। निर्माण निचले दर्जे का है। ठेकेदारों उनके गुर्गों से अगर कोई आम नागरिक अच्छी सड़क निर्माण कराने की बात करते हैं तो बाउंसर की तरह ट्रीट होते हैं , ठेकेदारों का कहना है कि नीचे से ऊपर तक जो चल रहा है उसे कौन देगा ।

व्यापारियों में गहरा आक्रोश- रेलवे स्टेशन के रोड में हो रहे रेस्टोरेशन के कार्य में निचले स्तर की कार्य प्रक्रिया का व्यापारियों ने गहरा विरोध किया है । आक्रोशित व्यापारियों को कहना है कि जिस उम्मीद के साथ हम लोगों ने नगर निगम की सरकार का गठन किया उसमें चंद मुट्ठी भर लोग कब्जा कर लूट का खेल खेल कर सतना शहर की गौरवशाली परंपरा को छिन्न- भिन्न कर रहे हैं। सड़क की गुणवत्ता इसलिए भी और अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शहर की सबसे व्यस्ततम सड़क है और इस पर किया जा रहा कार्य सर्वाधिक निचले स्तर का है। अब देखने वाली बात यह है कि महापौर का एक फिट खोज कर रोड बनाए जाने का दावा किस तरह खोखला होता जा रहा है।

ऐतिहासिक नारायण तालाब के गुनहगारों को आखिर कब मिलेगी सजा.....?

निर्माण एजेंसी पर मेहरबानी, बन जाएगी निगम के लिए गले की फांस...!

उमेश कुशवाहा ।सिटी चीफ सतना, जमीन को लेकर माफियाओं की बढ़ती भूख के कारण वैसे भी सतना शहर में प्राकृतिक जल स्त्रोत तालाबों की हालत दयनीय बनी हुई है, ऐसे में गिनती के जो तालाब शेष बचे हैं उनकी भी सही तरीके से देख-रेख नहीं हो रही है। सतना शहर के उतैली क्षेत्र में ऐतिहासिक नारायण तालाब लोगों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र साबित होता था, लेकिन प्रशासन और ठेकेदार की बड़ी लापरवाही ने इस तालाब की सुंदरता पर ग्रहण लगा दिया है। बीते दिनों जेसीबी मशीन से तालाब की मेड़ समतल करने के दौरान चूक होने पर पूरे नारायण तालाब का लाखों लीटर पानी उतैली सहित अन्य रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों के

घरों में घुस गया। बताया जाता है कि सतना नगर निगम ने जिस ठेकेदार को नारायण तालाब सौंदर्यीकरण का ठेका दिया है, उसके कर्मचारियों की उदासीनता ही मेड़ फूटने का सबसे बड़ा कारण साबित हुई है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि नारायण तालाब को पानी विहीन करने वाले गुनाहगारों को प्रशासन आखिर कब सजा देगा? कहीं ऐसा तो कि नारायण तालाब मामले में कागजी खानापूर्ति पूरी करते हुए चहेते ठेकेदार को बचाने की योजना पर काम हो रहा है?

सवालों के घेरे में सक्षम जनप्रतिनिधियों की भूमिका..

जिस तरीके से नारायण तालाब की घटना सामने आई है उससे एक बात तो तय है कि लापरवाही के साथ विकास के नाम पर रणनीति के तहत लीपापोती को अंजाम दिया जा रहा है। निर्माण एजेंसी के विरुद्ध अब तक कोई कार्रवाई न होना इस बात का साफ संकेत है कि मामले को दबाया जा रहा है। ऐसा होने के पीछे राजनैतिक दखल को वजह बताया जाता है। बड़ी संख्या में जिस तरह लोगों को तालाब फूटने के कारण परेशान होना पड़ा है, वैसे में दोषी पर तत्काल एक्शन होना चाहिए। आखिर सतना सांसद गणेश सिंह और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अब तक कोई सार्थक संज्ञान क्यों नहीं लिया है? नारायण तालाब के दोषी निर्माण एजेंसी को बचाने का काम कौन कर रहा है? प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर आम जनता की निगाहें बराबर टिकी हुई हैं, सबको एक्शन का इंतजार है।

खेत में मिली भारतीय जीवन बीमा अभिकर्ता की डेथ बॉडी

गांव में पसरा मातम, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, बदेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनवाही में मुकेश कुमार पटेल की डेथ बॉडी खेत में मिलने से गांव में पसरा मातम। ग्रामीण जनों द्वारा बताया गया कि मुकेश कुमार पटेल पिता रामकृपाल पटेल निवासी ग्राम धनवाही ।कल अपने खेत में खाद डलवाने खाद लेकर गये थे। और रात में वापस घर नहीं लौटा। उनका परिवार मैहर में निवास करता है ।जब आज सुबह उनका पुत्र और पत्नी खेत पहुंचे। तो देख की पापा मृत पडा हुआ था।

उनके द्वारा गांव सरपंच गया प्रसाद पटेल तथा साथ ही बदेरा को सूचना दी गई। बदेरा थाना प्रभारी को सूचना दी गई। थाना प्रभारी को सूचना मिलते ही अपने बल के साथ मौके में पहुंचकर जांच में जुटी। मार्ग पंचनामा तैयार कर डेथ बॉडी को पीएम के लिए मैहर भेजा गया। पीएम करा कर बॉडी को उनके परिजनों को सौंप दी जाएगी। उनके पत्नी और पुत्र के द्वारा हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। जिसका खुलासा अभी नहीं हो पाया। बदेरा पुलिस जांच में जुटी है। इस बीच सी एस पी राजीव पाठक, टी आई आदित्य सेन, साथ ही बदेरा थाना समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

लालबर्रा में महिलाओं ने मनाई हरतालिका

तीज व्रत रखकर किया पूजन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय सहित आसपास के सभी ग्रामों में महिलाओं ने हर वर्ष कि तरह इस वर्ष भी 6 सितम्बर दिन शुक्रवार को हरतालिका तीज में सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखकर पूजन अर्चन कर किया है। मिडिया से चर्चा करते हुए औल्याकन्हार निवासी ग्रहणी श्रीमती सुषमा संतोष नागेश्वर ने कहा कि यह व्रत काफी मायने रखता है तथा पति की लंबी उम्र,अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए सुहागिन महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत रखते हुए आ रही है ये व्रत करवा चौथ कि तरह ही निर्जला रखा जाता है इस दिन दिनभर निर्जला व्रत रखने के साथ शिव पार्वती जी कि पूजा करने का विधान है तथा आज हरतालिका तीज पर रवि योग, बुधादित्य योग सहित कई शुभ योगों का निर्माम हो रहा है। वहीं आगे चर्चा करते हुए श्रीमती नागेश्वर ने बताया कि रात्रि में विशेष पूजा कि गई है जिसमें व्रत रखने वाली महिलाओं ने विशेष श्रृंगार किया तथा घरों में फुलेरा बांधा गया व पडार,बेलपत्र,कमल के फूल, धतुरा सहित श्रृंगार व अन्य पूजन सामग्री से पूजा करें तथा पकवान भी चढ़ाया गया तथा माता पार्वती व शिवजी कि कथा का भी वाचन किया गया तत्पश्चात आरती करें फिर रात्रि में भजन कीर्तन भी किया गया तत्पश्चात सुबह एक साथ तालाब में ले जाकर विसर्जन किया गया है।

15 सितंबर को अमर ज्योति करेगा नेत्रदाता परिजनों का सम्मान

अमर ज्योति की बैठक का हुआ आयोजन, 15 सितंबर 2024 को होने वाले सम्मान समारोह की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, अमर ज्योति की बैठक संस्था के सक्रिय सदस्य अनिल झुलवानी जी के घर आयोजित की गई जिसमे 15 सितंबर 2024 को होने वाले नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। एवं सभी सदस्यों को कार्यक्रम से संबंधित दायित्व सौंपे गये। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे गुजरात में जन्मी पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती मुक्ताबेन दगली एवं उनके पति श्री पंकज कुमार दगली पधारेंगे,आप दोनों नेत्रहीन होने के बावजूद अपना पूरा जीवन नेत्रहीन और दिव्यांग लोगों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है बैठक का समापन स्वादिष्ट व्यंजन के साथ किया गया। बैठक में संयोजक मनोहर डिगवानी,कमल पुरस्वानी, मनोज अरोरा,मनमोहन माहेश्वरी,पुष्पराज सिंह,ललित खुराना,विभाष बनर्जी,दिलीप सोनी,संजय वाधवानी,प्रदीप अरोरा,विपुल हांडा,संदीप चमड़िया,अनिल मोटवानी,बसंत शर्मा,रूपेश वलेचा,श्यामलाल गुप्ता,जेठानंद वाधवानी,घनश्याम मँघरानी,नीलांबर झा,अशोक ताम्रकार,दीपक वाधवानी,पंकज आहूजा,संदीप धूत,ज्ञान खटवानी,भरत आहूजा,दिनेश अग्रवाल,दीपक चुगवानी,डॉ अशोक डुलानी एवं मेज़बान अनिल झुलवानी सपरिवार उपस्थित रहे।

इन स्कूलों को शिक्षा के सबसे सर्वोत्कृष्ट केन्द्रों के रूप में विकसित करने का हमारा सपना है : कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

पीएम श्री विद्यालयों एवं सी एम राइज स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षकों की उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले में पी एम श्री स्कूल 11 है और इसके अलावा 12 सी एम राइज स्कूल है, इस प्रकार इन 23 स्कूलों को शिक्षा के सबसे सर्वोत्कृष्ट केन्द्रों के रूप में विकसित करने का हमारा सपना है, उसको साकार करना हैं। इस आशय की बात कलेक्टर सुधीर कुमार काचेर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के सभी पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला के दौरान कही। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विज़न को सबके सामने रखा और इसकी पूरी एक कार्य योजना तैयार की गई। श्री कोचर ने कहा हमे तेजी से इसमें काम करना है, चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर हो, चाहे शिक्षा की गुणवत्ता हो। उन्होंने कहा सभी शिक्षकों ने इसमें कमिटमेंट के साथ काम करने का मुझे वचन दिया है और हम लोग लगातार इसको मॉनिटर करते रहेंगे। कल भी मैं तीन पीएम श्री स्कूलों का विजिट करने के लिए जा रहा हूँ। मुझे उम्मीद है कि हम इसमें सरकार ने जो लक्ष्य हमें दिए हैं, हम उसको पूरा कर लेंगे। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा ने सभी प्राचार्य एवं शिक्षकों की ओर से आश्वत किया कि आने वाले समय में सभी पीएम श्री विद्यालय अन्य विद्यालयों से आगे होंगे तथा एक रोल मॉडल के रूप में विकसित होंगे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सटीक प्रेजेंटेशन तैयार करने तथा प्रस्तुतीकरण के लिए जिला स्तरीय टीम की प्रशंसा की। प्रेजेंटेशन नोडल अधिकारी पीएम श्री विद्यालय मोहन राय के द्वाराप्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पीएम श्री विद्यालय हेतु शासन द्वारा विभिन्न इंडिकेटर के अंतर्गत प्रदाय राशि के खर्च की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में अनुशासन, विद्यालय संचालन, साइंस सर्कल ,मैथ सर्कल, ग्रीन स्कूल संकल्पना, लेबोरेटरी, खेल मैदान, लैब,हेल्थ कैंप, पालक शिक्षक मीटिंग ,मासिक टेस्ट, कॉपियों की चेकिंग वाला फीचर्स, टीएलएम, सार्थक एप, स्टूडेंट प्रोफाइल ,भवन एवं शौचालय का रखरखाव आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी नागौद अस्पताल का किया निरीक्षण

मरीजों एवं उनके परिजनों से भेंट किया, व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले की निवासी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी नागौद अस्पताल का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मरीजों एवं उनके परिजनों से भेंट किया। राज्यमंत्री ने नागौद अस्पताल का लगभग दर्जनों बार दौरा किया होगा और व्यवस्था सुधारने का निर्देश भी जारी किया परंतु बता दे वहां पदस्थ डॉक्टर समय से नहीं आते, कुछ डॉक्टर तो हफ्ते मे एकाध दिन आते हैं। कई कर्मचारी अस्पताल सिर्फ घूमने फिरने आते हैं किसी का कोई काम नहीं करते। अस्पताल में दलाली बेईमानी व्याप्त है। माननीय मंत्री महोदया अपने किसी नजदीकी स्टाफ को भेजकर बिना किसी को सूचना दिए गोपनीयता के साथ पता करवाईए नागौद अस्पताल की व्यवस्था क्या हैं ? बीते दिनों एक डॉक्टर अमित सोनी ने एक ऐसा पर्चा लिखा जिसे मध्यप्रदेश का कोई डॉक्टर नहीं पढ़ सकता सिवाय अमित सोनी के, वही इस पूरे मामले मे जिले का सबसे भ्रष्ट अधिकारी सीएमएचओ एल के तिवारी ने इस डॉ अमित सोनी को नोटिस जारी किया और 2 दिन में जवाब देने की बात कही, पर्चा लिखे हुए डॉ सोनी को 4 दिन हो गए परंतु उक्त डॉक्टर नें क्या जवाब दिया और उसके विरुद्ध कार्यवाही क्या हुई यह किसी को नहीं मालूम आखिर क्यों ? कहने का आशय यह हैं कि स्वास्थ्य विभाग में बड़ी अंधेरगर्दी क़ायम हैं इसे देखने सुनने और समझने वाला कोई नहीं हैं। निरीक्षण कर लेने से, सोशल मीडिया में फोटो डाल देने से व्यवस्था पर सुधार नहीं होगा। पूरे जिले में सीएमएचओ तिवारी के नेतृत्व वसूली चल रही है, जिस भी डॉक्टर को महीने दो महीने तक डियूटी मे न आना हो न आए सीएमएचओ को महीना देता रहे उसका कोई बाल बांका नहीं कर पाएगा क्योंकि सीएमएचओ उसका संरक्षण दाता बैठा हैं।

जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं, जरूरत इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को निखरने का अवसर यदि हम दे सके तो ये इन प्रतिभाओं के साथ न्याय होगा – कलेक्टर

सुपर 100 के तहत 15 सितंबर से निःशुल्क कोचिंग क्लास प्रारंभ होगी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा दमोह जिले में प्रतिभाओं की बिल्कुल कमी नहीं हैं और जरूरत इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को निखरने का अवसर यदि हम दे सके तो इन प्रतिभाओं के साथ न्याय होगा। इसी उद्देश्य से हमने एक सुपर 100 कार्यक्रम लागू करने का यहाँ पर निर्णय लिया था। कलेक्टर ने कहा मुझे बताते हुए खुशी है कि आज हमने उसके लिए प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इसमें दमोह नगर पालिका क्षेत्र के हमारे 07 हायर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को हमने आमंत्रित किया था, कि वो आये और इस सुपर 100 परीक्षा में भाग ले।

कलेक्टर ने बताया आज 305 विद्यार्थियों ने इसमें रजिस्ट्रेशन कराया था और उसमें से 255 विद्यार्थियों ने आज हमारे यहाँ ये परीक्षा दी हैं। तीन अलग-अलग प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए विद्यार्थी शामिल हुए हैं, जेईई, नीट और क्लैट परीक्षाए शामिल हैं। उन्होंने बताया इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ, इन तीन फील्ड से 255 विद्यार्थियों ने आज इसमें पार्टिसिपेट किया है, इन 255 विद्यार्थियों में से 100 विद्यार्थियों को निकालेंगे, जो की सुपर 100 की श्रेणी में आएँगे और इन 100 विद्यार्थियों को जल्दी ही प्रयास करेंगे 15 सितंबर से ही इनकी निःशुल्क कोचिंग क्लास प्रारंभ कर देंगे। कलेक्टर ने कहा ये हमारे दमोह जिले के विद्यार्थियों के लिए एक अवसर होगा, वो कॉमपिटेटिव एग्ज़ाम की तैयारी कर सके और कॉमपिटेटिव एग्ज़ाम में सफल हो कर दमोह का नाम रोशन कर करें। शासकीय इ.एफ़.ए.जे.पी.बी. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के माध्यमिक शिक्षक एवं सुपर 100 कार्यक्रम के नोडल अधिकारी शरद मिश्रा ने कहा सुपर हैंडेड परीक्षा का उद्देश्य नीट, जेईई और क्लेट जैसे एग्ज़ाम्स के अंदर जो गरीब तबके के विद्यार्थी है, जो अच्छी कोचिंग नहीं ले पा रहे है, उनके लिए कलेक्टर सर की एक बहुत ही सकारात्मक पहल है, जिसके तहत यहाँ पर नीट, जेईई और क्लेट की मार्गदर्शन कक्षाए प्रारंभ होगी। यहाँ पर सुपर 100 में नगरीय क्षेत्र के स्कूलों से 100 विद्यार्थियों का चयन कर सुपर 100 का एक सेक्शन बनाया जायेगा। उन्होंने बताया सरकारी शिक्षा विभाग में जितने भी स्किल्ड टीचर हैं, जो इस क्षेत्र में पारंगत हैं, विषय विशेषज्ञ हैं, उनके मार्गदर्शन में कक्षाएं प्रारंभ की जाएंगी और फिर इन कक्षाओं का संचालन छुट्टी के दिनों में या रविवार के दौरान किया जाएगा, विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। खासकर ऐसे विद्यार्थी जो बहुत कमजोर है, इकोनॉमिकली जो बैकबर्ड है, उनके लिए एक बहुत अच्छी पहल है। शिक्षक ने बताया सुपर हंड्रेड विद्यार्थी न केवल ऑफलाइन क्लासेस बल्कि ऑनलाइन क्लासेस भी दी जाएगी। ऑनलाइन क्लासेज के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए सॉफ्ट कॉपी और हार्ड कॉपी में अच्छी-अच्छी कोचिंग सेंटरों के नोट्स उपलब्ध कराने की कोशिश करेंगे यह कलेक्टर सर की योजना है।

नोडल अधिकारी शरद मिश्रा ने बताया इस परीक्षा की आंसर सीट वेल्यूऐशन 10 सितम्बर, रिजल्ट 11 सितम्बर को जारी किया जायेगा। इस सुपर 100 कार्यक्रम के नोडल अधिकारी शरद मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय दमोह एस एल अहीरवाल, परीक्षा संयोजक आदित्य चौरसिया हैं.

जिले में उत्साह पूर्वक मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

नुक्कड नाटक एवं निकली गयी रैली

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्रीमती सावित्री सोनी ने जानकारी दी है कि अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट शहडोल के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के कन्या छात्रावास के छात्र/छात्राओं द्वारा साक्षरता रैली निकाल कर साक्षरता का प्रचार प्रसार किया गया। जिला प्रौढ शिक्षा अधिकारी द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डाईट प्राचार्य ने जिले में लक्ष्य के अनुसार कार्य पूर्ण करने की बात कही। कन्या एससी छात्रावास के छात्राओं द्वारा साक्षरता नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह जिला सह समन्वयक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पीएस मारपाची जिला शिक्षा अधिकारी, रमाशंकर गौतम डाईट प्राचार्य, महेन्द्र मिश्रा बीआरसीसी सोहागपुर, विनोद प्रधान एपीसी जिला शिक्षा केन्द्र, अनिल श्रीवास्तव व्याख्याता, सुमा राय मैडम डाईट, अजय मिश्रा संकुल सह समन्वयक कोटमा विवेक सिंह संकुल सह समन्वयक कन्या सोहागपुर मन्ने लाल, शहजाद खान, नरेन्द्र सोनी, रामकृष्ण मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेलाताल में सफाई का क्रम लगातार चलेगा, ताकि श्राद्ध और त्योहारों के समय में घाट और तालाब बहुत साफ़ रहे-कलेक्टर

स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी नगर वासियों से तालाब साफ रखना का किया आग्रह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, बेलाताल में सफाई का क्रम लगातार चलेगा, ताकि श्राद्ध के समय और त्योहारों के समय में भी घाट और तालाब बहुत साफ़ रहे और आगे के लिए भी हमेशा परमानेंटली साफ रहे। इसके लिए व्यवस्था बनाई जा रही है। अगला श्रमदान कार्यक्रम फुटेरा तालाब में रखा गया है, फुटेरा तालाब को पूरी तरह से क्लीन करने के लिए नगर पालिका को निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुरैना तालाब और दीवान जी की तलैया में भी काम शुरू करना प्रस्तावित हैं। यह बात आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बेलाताल सफाई अभियान कार्यक्रम के दौरान कही। कलेक्टर ने कहा आज सागर नगर निगम में भी बात की है और वहाँ पर एक जलकुंभी निकालने की एक मशीन आई है, प्रयास किया जाएगा की सागर नगर निगम से जल्दी से जल्दी हमको वो मशीन मिले ताकि हम जलकुंभी निकाल सके। प्लान तैयार किया जा रहा हैं कि हमारे जितने 7-8 तालाब जो नगरीय क्षेत्र में है, क्या इन तालाबों को मछुआ समितियों को दे सकते हैं, कुछ शर्तों के आधार पर जिसमें की वो जलकुंभी और गंदगी नियमित रूप से साफ करना, ये सारी चीजों के साथ यदि उनको तालाब देते हैं तो क्या ऐसी व्यवस्था बन सकती है। इस पर विचार किया जा रहा हैं, तो कोशिश यही रहेंगी कि जितने तालाब हैं उनका संरक्षण हम लोग प्रॉपर रूप से कर सके, उसके लिए लगातार काम किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले के नागरिक से खास तौर पर दमोह नगर के नागरिको से आग्रह करते हुए कहा है कि जितने हमारे तालाब है, चाहे वह फुटेरा तालाब हो, चाहे वह बेलाताल हो, चाहे वह पुरैना तालाब हो, वहाँ पर इस बार हवन, पूजन सामग्री तथा मूर्ति विसर्जन के लिए कुंड बनाने की व्यवस्था अलग से की है। नागरिक इधर उधर पूजन सामग्री बिल्कुल ना डाले, जो विसर्जन कुंड बनाया है, उसी में आप पूजन सामग्री को डालें। यदि आप इधर उधर सामग्री डालते हैं तो उससे यह होता की यहाँ पर जो लोग बड़ी मेहनत करके सफाई करते हैं, और वह पूरी मेहनत मिट्टी में मिल जाती है और जितनी भी गंदगी इकट्ठी होती है, फिर उसको सफाई करने के लिए दोबारा मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने पुनः सभी से आग्रह करते हुए कहा जो भी पूजन सामग्री डालते हैं, वह केवल विसर्जन कुंड में डालें और यदि आप अपने शहर को, अपने तालाबों को स्वच्छ करने की जिम्मेदारी नहीं लेंगे तो यह कोई स्वच्छ नहीं कर पाएगा। इसीलिए हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है की वो इस बात को ध्यान रखे की उनके कारण तालाब गंदे ना हो और पर्यावरण स्वच्छ रहे। इस अवसर पर पंडित हरिशंकर शास्त्री ने कहा बेलाताल तालाब पर हम तीन पंडित बैठते हैं, यहाँ पर पितृपक्ष में 15 दिन तर्पण चलता है और आये दिन यहाँ पर बहुत कचरा हो जाता है और यजमानों को तर्पण करने में बड़ी दिक्कत जाती है। इसलिए आज कलेक्टर साहब के आदेश अनुसार हम लोगों को बुलाया गया, यहां हम लोगों ने श्रमदान किया। उन्होंने सभी समाज के लोगों से आग्रह करते हुए कहा इसी प्रकार अपने दमोह को स्वच्छ बनाएं, सुन्दर बनाएं ताकि यह संदेश सभी समाज में जाए, क्योंकि हमारे यहाँ तालाबों की बड़ी बिकट स्थिति है, सभी तालाबों को स्वच्छ करने के लिए इस प्रकार सभी समाज को आगे आना पड़ेगा, तभी हमारा दमोह स्वच्छ हो सकता है।

कलेक्टर के निर्देशन में प्रत्येक सप्ताह श्रमदान कार्यक्रम, सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें हम लोग अपने बच्चों के साथ यहाँ पर सुबह 7 बजे उपस्थित होते हैं और 9 बजे तक यहाँ श्रमदान करते हैं। यह एक अच्छा मौका है कि हमारे दमोह के जो तालाब है, जहाँ पर धार्मिक काम होते हैं, वहाँ पर स्वच्छता अभियान चल रहा है, एक पवित्रता का काम चल रहा है। उन्होंने सभी नगर वासियों से आग्रह करते हुए कहा प्रत्येक रविवार के दिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक श्रमदान करें ।

समाजसेवी मोंटी रैकवार ने कहा बेलातल तालाब में व्यापक रूप से जलकुंभी और कचरा था, घाट पूरे भरे हुए थे। कलेक्टर साहब के नेतृत्व में हम सभी सामाजिक संगठनों ने और संस्थाओं ने मिलकर तालाब में स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने आमजन से आग्रह करते हुए कहा अपनी पूजन सामग्री तालाब में विसर्जन ना करें, विसर्जन कुंड में ही डालें और तालाब को स्वच्छ बनाएं। हम अगले रविवार को सभी लोग, सामाजिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन

कलेक्टर साहब के नेतृत्व में फुटेरा तालाब में श्रमदान कर फुटेरा तालाब के घाट साफ करेंगे। आप सभी से आग्रह है कि फुटेरा तालाब आए और इस पुनीत कर में सहयोग करें। एम.एस.डब्ल्यू. सेकंड ईयर की छात्रा अभिलाषा पांडे ने बताया कलेक्टर सर के आग्रह पर एम.एस.डब्ल्यू. के छात्रों ने यहां पर आकर श्रमदान किया है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा यह मत सोचे की सफाई हमारा काम नहीं है, दमोह आपका शहर है सभी यहां रहते हैं, तो सभी को श्रमदान करना चाहिए। के.के.परोहा ने कहा कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर जी के द्वारा चलाया जा रहा स्वछता अभियान एक मिसाल के तौर पर रहेगा। जो कार्य पैसा देकर भी नहीं हो सकता, वह निशुल्क हो रहा है। उन्होंने दमोह की जनता से आग्रह करते हुए कहा तालाब में पूजन सामग्री बिल्कुल ना डालें, दमोह को स्वच्छ बनाने में पूरा सहयोग करें। इस अवसर पर विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं संगठनों के पदाधिकारी और आमजन मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी सहभागिता साफ सफाई मे दी।

सरसीआइलैंड में एमपी का मालदीव, लक्षद्वीप - उप मुख्यमंत्री

5 स्टार होटल जैसी सुविधाए, जिम, स्पीड मोटर बोट और वेडिंग डेस्टिनेशन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, प्रभारी मंत्री के जिले प्रवास के दौरान डूब क्षेत्र में तमाम अफसरों का काफला बाणसागर अंतर्गत ग्राम सरसी में बने नवनिर्मित रिसोर्ट के इर्द गिर्द नजर आया, अब लगता है इस दौरान इलाके दिन बदलने वाले है रविवार को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इस सरसी आइलैंड का न सिर्फ निरीक्षण किया बल्कि पौधरोपण भी किया है, उन्होंने बताया पर्यटकों के लिए जिम, 5 स्टार होटलों जैसी सुविधाए, आने जाने के लिए स्पीड मोटर बोट और वेडिंग डेस्टिनेशन हेतु आकर्षक स्थल जैसे अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ़ उठाये– उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि सरसी आइलैंड में पर्यटक परिवार लेकर आए और यहां रुके इसके लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए तथा

रीवा से सरसी आइलैंड के आवागमन के सुगमता को और अधिक बेहतर बनाएं, जिससे रीवा, मैहर व अन्य क्षेत्रो से आने वाले पर्यटकों के लिए आवागमन सुगम हो सके। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र के अमरकंटक, बाधवगढ़, मैहर, मुकुंदपुर टाइगर सफारी जैसे अन्य पर्यटन स्थल में आने वाले पर्यटक भी सरसी आइलैंड में आए और सरसी आइलैंड की प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाएं। **पर्यटकों के लिए 10 अतिथि कक्ष–** दरअसल सरसी आईलैंड लगभग 15 एकड़ की क्षेत्रफल में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां पर पर्यटकों को पहुंचने के लिए मारकंडेय एवं इटमा में घाट बनाए गए हैं । घाट में वोट, पार्किंग एवं टॉयलेट सहित अन्य प्रकार की सुविधा भी उपलब्ध की गई है। उन्होंने बताया कि सरसी आईलैंड में पहुंच मार्ग के लिए ग्राम सरसी में भी घाट बनने के लिए प्रस्तावित है तथा सरसी आईलैंड में मैरिज डेस्टिनेशन की सुविधा भी तैयार कराई जा रही है तथा सरसी रिसोर्ट में पर्यटकों के लिए 10 अतिथि कक्ष, रेस्टोरेंट, जिम, कॉन्फ्रेंस हॉल हाल, लाइब्रेरी के साथ–साथ अन्य बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

100 गायों की बनेगी गौशाला– निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने सरसी आइलैंड क्षेत्र में विचरण कर रहे गौवंश के लिए उचित व्यवस्थाए करने के निर्देश देते हुए कहा कि सरसी आइलैंड क्षेत्र में गौवंश के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्थाएं कराए। उप मुख्यमंत्री ने गौवंश की सुरक्षा के लिए शेड का निर्माण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि गौवंश की रक्षा करना मध्य प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है,इसके लिए सरसी आइलैंड रिजार्ड में रिक्त पड़ी भूमि में 100–100 गायों के लिए गौशालाओ का निर्माण कराया जाए, जिससे गौवंश के संरक्षण के साथ–साथ किसानों के फसलों को भी बचाया जा सकेगा। इस अवसर पर विधायक शरद कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मनोज ट्रेवल्स की बस ने मोपेड को मारी टक्कर
70 वर्षीय बुजुर्ग सहित, दो बच्चे की मौत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, जिला मुख्यालय की उमरिया शहपुरा रोड ग्राम अतरिया और बिचुआ के बीच मनोज ट्रेवल्स की बस ने मोपेड सवार 3 लोगों को कुचल दिया है। जिसमें सवार दादा और पोते की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पोती गम्भीर रूप से घायल है। घटना के संबंध में जांच अधिकारी बी एल सिंह ने बताया कि ग्राम लालपुर (अमहा) निवासी 70 वर्षीय नरबद सिंह अपनी मोपेड से करकेली हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहे 17 वर्षीय पोते गणेश सिंह और पाली हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रही 18 वर्षीया पोती फूला बाई को हॉस्टल पहुंचाने जा रहे। उसी समय उमरिया की तरफ से अनियंत्रित गति से जा रही मनोज ट्रेवल्स की बस क्रमांक स्क्र21 क्र1097 ने ठोकर मार दिया जिसमें दादा और पोते की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पोती गम्भीर रूप से घायल है जिसको इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है।

जिले मे 920.8 मिमी वर्षा रिकार्ड

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे में 12.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधव गढ़ में 2.4 मिमी, बिलासपुर में 88 मिमी वर्षा शामिल है। जिले में 1 जून से लेकर 8 सितंबर तक 920.8 मिमी वर्षा रिकार्ड गई है जिसमें बांधवगढ में 939.9 मिमी, मानपुर में 833.2 मिमी, पाली में 774.2 मिमी, नौरोजाबाद में 884.3 मिमी, चंदिया में 978 मिमी, करकेली में 967.5 मिमी वर्षा, बिलासपुर में 1066.2 मिमी वर्षा शामिल है । जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक कुल 807.1 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी जिसमें बांधवगढ में 943.4 मिमी, मानपुर में 699 मिमी, पाली में 907 मिमी, नौरोजाबाद में 770.4 मिमी, चंदिया में 833.2 मिमी, करकेली में 646.7 मिमी, बिलासपुर मे 854.9 मिमी वर्षा शामिल है।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत किशोर किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु मध्यप्रदेश के सभी 20 जनजातीय जिलों में जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश द्वारा सक्षम कार्यक्रम 21 वीं सदी के जीवन कौशल के सफल क्रियान्वयन हेतु नॉलेज पार्टनर के रूप मे मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। सक्षम कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उमरिया जिले के जनजातीय विकास खंड पाली के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में विकास खंड पाली के समस्त माध्यमिक शालाओं, विशेष आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर ,एकलव्य विद्यालय और आश्रम शालाओं के प्रधानाध्यापक/प्राचार्य, सीएसी ,बीएसी, बीआरसीसी, संकुल प्राचार्य का एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया 7 कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक संस्था प्रधानों की सक्षम कार्यक्रम के बारे मे समझ विकसित करना व विद्यालयों में सक्षम कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षकों, प्रधनाध्यापकों/प्राचार्यों, सीएसी ,बीएसी, बीआरसीसी, संकुल प्राचार्य और अन्य पदाधिकारियों की भूमिका के बारे मे समझ विकसित करना; ताकि किशोर किशोरियों को 21 वीं सदी के जीवन कौशलों से उन्हें लैस किया जा सके और वो अपने व्यवहारिक जीवन में अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से करने मे सक्षम हो सकें। एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला मे सक्षम कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर संजय पांडेय मण्डल संयोजक, जनजातिय कार्य विभाग उमरिया, वीरेन्द्र गर्ग (सी ए सी, बन्नौदा), बृजभान प्रजापति, मैथिलीशरण पांडेय,सतीश कुमार मरावी द्वारा उन्मुखीकरण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। जनजातीय कार्य विभाग की सहयोगी संस्था मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन, जो सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत नॉलेज पार्टनर के रूप मे कार्यरत है। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन से जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह परमार, पाली विकास खंड प्रबंधक संदीप शुक्ला, शहपुरा विकास खंड प्रबंधक उमेश और समनापुर विकासखंड प्रबंधक नीरज तिवारी द्वारा कार्यशाला आयोजन में सहयोग किया गया। उन्मुखीकरण कार्यशाला में जीवन कौशल के सत्रों के सफल संचालन व उनकी विद्यालय स्तर, संकुल स्तर, विकास खंड स्तर पर रिपोर्टिंग और मासिक समीक्षा पदाधिकारियों द्वारा किस तरह से की जावेगी इस पर समझ विकसित की गई। आगामी 10 से 12 सितंबर 2024 की अवधि में शासकीय एकलव्य आदर्श विद्यालय पाली में विकासखंड पाली के समस्त माध्यमिक शालाओं से नामांकित एक एक शिक्षकों का तीन दिवसीय जीवन कौशल आधारित सक्षम प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वाधान में महाराजा अग्रसेन चौक पर पूजा–अर्चना कर सभी के सुखमय जीवन के लिए मंगल कामना की गई

बच्चों को खेलों में भी बढ़ावा देना चाहिए जिससे आगे जाकर वह अपना और अपने देश का मान बढ़ा सके :- अंकुर अग्रवाल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वाधान में वैश्य शिरोमणि महाराजा अग्रसेन चौक पर पूजा–अर्चना कर सभी के सुखमय जीवन की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंकुर अग्रवाल अंतरराष्ट्रीय शूटर जिन्होंने पिस्टल शूटिंग में 23 बार नेशनल तीन बार इंटरनेशनल वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया और कई मेडल जीत कर अपने देश और समाज का नाम रोशन किया ने कहा कि बच्चों को खेलों में भी बढ़ावा देना चाहिए जिससे आगे जाकर वह अपना और अपने देश का मान बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे माता–पिता ने मुझे हमेशा हौंसला दिया और आज मैं यहां तक पहुंचा हूं यह मेरे माता–पिता एवं गुरुजनों की देन है। जिला अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ खेलो मे भी अभिभावक अपने बच्चों को बढ़ावा दें। जनपद से कई बच्चे आज जनपद का नाम रोशन कर

रहे हैं। महानगर अध्यक्ष बृजेश गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में 2 अक्टूबर को समाज के शिक्षकों एवं मेधावी छात्र/ छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह के अंतर्गत रामायण के श्री राम मेरठ के सम्मानित सांसद अरुण गोविल बच्चों को अपना शुभ आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इस अवसर पर पूर्व की भांति अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय महामंत्री चूड़ियां राम गोयल भी उपस्थित रहेंगे। महाराजा अग्रसेन विकास सेवा समिति के अध्यक्ष विपुल अग्रवाल ने कहा कि 30 सितंबर 2024 को महाराजा अग्रसेन चौक पर प्रातः 8~30 बजे ध्वजारोहण एवं आरती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सभी वैश्य बंधु उपरोक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। आरती में संरक्षक बृजमोहन सिंघल, संरक्षक मास्टर दिनेश गोयल, जिला उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, जिला महामंत्री पुनीत सिंघल, महानगर महामंत्री रंजन गुप्ता, मीडिया प्रभारी अंशुल गुप्ता, महाराजा अग्रसेन विकास समिति से महामंत्री मुकेश गोयल, कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, मंत्री अनिमेश गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

जारोड़ा खुर्द में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आयोजित

मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन, पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा भी कार्यक्रम में रहे उपस्थित

एजाज़ अहमद उस्मानी। सिटी चीफ मेड़ता रोड, बेडमिंटन प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में छात्र वर्ग में पीएम श्री जारोड़ा ने आदर्श नवोदय स्कूल मेड़ता को 2–0 से हराया जारोड़ा कस्बे के राउमावि जारोड़ा खुर्द में रविवार को मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम मेघवाल व पुर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा की अतिथि में 68 वी जिलास्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ जो कि 12 सितंबर तक चलेगी। अतिथियों ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक ओपेन्दरसिंह ने बताया कि उद्घाटन मुकाबला पीएम श्री स्कूल जारोड़ा कलां व आदर्श नवोदय स्कूल मेड़ता सिटी के बीच खेला गया था जिसमें जारोड़ा कलां की टीम विजय रही। वही छात्रा वर्ग में श्री फलौदी पार्श्वनाथ स्कूल मेड़ता रोड व इन्दावड़ के बीच खेला गया जिसमें मेड़ता रोड की टीम विजय रही।विजेन्द्र सिंह चांदावत, रामनिवास संतोष विश्नोई ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस दौरान ईसीबीईओ गोविंदसिंह बेड़ा,संयोजक मदनलाल चौधरी, पुर्व सरपंच जयराम जाजड़ा, हनुमान राम, मंगलाराम, प्रकाश मेघवाल, रामकिशोर पीईइओ मो.अखतर नदीम, जस्साराम, शंकरलाल मुण्डेल, शंकरलाल सोनी उपस्थित थे।

ठेली लगाने वाले सेठपाल के बेटे का एमबीबीएस में हुआ चयन

परिजनों व शुभचिंतकों में दौडी खुशी की लहर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर (गागलहेडी), । मंजिलें उन्हें ही मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता है, हौंसलों से उड़ान होती है। कस्बे के दीक्षित कुमार ने विपरीत परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर एमबीबीएस में अपना चयन कराकर उक्त पंक्तियों को सच साबित कर दिखाया है। कस्बे में जूस की रेहड़ी लगाने वाले सेठपाल के बेटे दीक्षित कुमार के एमबीबीएस में चयन होने की खबर जैसे ही उसके परिजनों व शुभचिंतकों को लगी तो उनकी खुशी का ठिकाना न रहा और उन्होंने इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हुए दीक्षित को शुभकामनाएं दी। उधर कस्बे के अपने विद्यालय सत्य श्रीकृष्णा इंटर कालेज पहुंचे दीक्षित का प्रबंधक आदित्य यादव व प्रिंसिपल सत्यवती यादव ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उसे मिठाई खिलाकर उसके उवल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल सत्यवती का कहना है कि दीक्षित उनके विद्यालय का एक अनुशासित, आज्ञाकारी, मेहनती व होनहार छात्र था जिस पर पूरे विद्यालय को नाज है। दूसरे छात्र–छात्राओं को दीक्षित से प्रेरणा लेनी चाहिए। पहले प्रयास में ही अपने लक्ष्य को हासिल करने वाले दीक्षित को राष्ट्रीय स्तर पर 152352 वीं रैंक मिली है और अब वह शाहजहापुर के सरकारी मेडिकल कालेज में अध्ययन करेगा। हालांकि उनके परिवार की आर्थिक हालत इतनी अच्छी नहीं थी लेकिन दीक्षित के सतत प्रयास और कड़ी मेहनत से इस मुकाम को हासिल कर लिया।

बिजुरी पुलिस ने जुआ फड़ में मारा छापा
जुआ खेलते पांच को किया गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर जिले के कोयलांचल नगरी बिजुरी के अंतर्गत 8 सितंबर 2024 को रात्री 12.30 बजे मुखबिर की सूचना पर घोडहा मोहल्ला में कुछ जुआडी ताश के पत्तो से हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है जिस पर रेड कार्यवाही कर उक्त दिनांक को करीब 1 बजे जुआरियान दीपक पिता अशोक रस्तोगी उम्र 31 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 11 बिजुरी अभिषेक चतुर्वेदी पिता प्रहलाद प्रसाद चतुर्वेदी उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 12 बिजुरी, संदीप कुमार सोनी पिता जगन्नाथ प्रसाद सोनी उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 8 बिजुरी चन्द्रकान्त कोरी पिता कैलाश प्रसाद कोरी उम्र 53 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 12 बिजुरी , अजय रस्तोगी पिता राजेश कुमार रस्तोगी उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 11 बिजुरी के जुआ खेलते पाए गए जिनके कब्जे से 7000 रुपये का नगद एवं 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए एवं आरोपियों के विरुद्ध अपराध जुआ एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विकास सिंह यू.एन. मिश्रा उदय प्रजापति रविकरण पयासी सतीष मिश्रा आनन्द बैस लक्ष्मण डांगी रामनिवास गुर्जर राजदेव सिंह प्रभाकर त्रिपाठी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

एडीजी मेरठ जोन डीके ठाकुर ने कहा

आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस रहे पूरी तरह चौकन्ना

सहारनपुर। एडीजी मेरठ जोन डीके ठाकुर ने पुलिस लाइन सभागार में आगामी त्यौहारों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह चौकन्ना रहे। एडीजी मेरठ जोन डीके ठाकुर एवं डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी द्वारा एसएसपी रोहित सिंह सजवान, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ नवीन कानूनों के क्रियान्वयन, अपराध नियंत्रण/कानून व्यवस्था तथा आगामी त्यौहारों की तैयारियों के दृष्टिगत गोष्ठी की एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। एडीजी मेरठ जोन डीके ठाकुर ने कहा कि नए कानून का लगातार अध्ययन कर विवेचनाओं की गुणवत्ता बनाई जाए, कार्यशालाओं का आयोजन कर समय–समय पर नए कानून की बारीकियों को समझाया जाए। विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। बैठक में डीआईजी सहारनपुर अजय कुमार साहनी, एसएसपी सहारनपुर रोहित सिंह सजवान, एसपी सिटी सहारनपुर अभिमन्यु मांगलिक एवं अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

नौकरी देने के नाम पर नवयुवक एवं नवयुवतियों के साथ धोखाधड़ी करने वाला गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान (भा.पु.से.) को शनिवार की दोपहर विश्वत सूत्रों से जानकारी से प्राप्त हुई कि अनूपपुर नगर में शासकीय जिला चिकित्सालय अनूपपुर के सामने एक बिल्डिंग में जिले के ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवक एवं नवयुवतियों को एकट्ठा किया जाकर संदिग्ध गतिविधियां चल रही है। जो पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा एसडीओपी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा एवं टीआई कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम बनाई जाकर उक्त स्थान पर रेड कराई गई जो शासकीय जिला चिकित्सालय के सामने आरएमजी होटल के ऊपर बने हाल में अनूपपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रो से 14 लड़कियां एवं 6 लड़को को नौकरी देने के नाम पर एकट्ठा किया गया था। मौके पर रजनीश राज निवासी रीवा, आमिर अली निवासी भालूमाड़ा एवं संकेत ताजने निवासी भोपाल के द्वारा एकत्र किये गये नवयुवक एवं नवयुवतियों को *ZAUGE CHIEFLAND INDUSTRY PVT LTD* नाम की कंपनी में नौकरी दिलाये जाने के नाम पर 500–500 रूपये जमा कराया जाकर बुलाया जाना पाया गया। पुलिस की रेड कार्यवाही के दौरान उपस्थित मिले जिले के ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवक एवं नवयुवतियों द्वारा बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रो में *Office Work Job Requirment* के पम्पलेट बांटे जाकर उनको एकत्र किया गया था और *ZAUGE CHIEFLAND INDUSTRY PVT LTD* नाम की कंपनी में नौकरी दिलाये जाने के लिए 500

रूपये प्रत्येक से जमा कराया गया किन्तु पिछले 8–10 दिन से रोज बुलाकर वापस कर दिया जाता था। जो कुमारी साक्षी मिश्रा पिता शिवकुमार मिश्रा उम्र करीब 22 साल निवासी ग्राम पसला अनूपपुर एवं अन्य 21 के द्वारा रिपोर्ट किये जाने पर उक्त आरोपीगणों के विरूद्ध थाना कोतवाली में उक्त कंपनी के हेड सतीष राठौर निवासी भोपाल एवं मौके पर मौजूद मिले रजनीश राज निवासी रीवा एवं आमिर अली निवासी भालूमाड़ा के विरूद्ध अपराध क्रमांक 405/24 धारा 319 (2), 318(4), 3(5) बीएनएस का अपराध दर्ज किया जाकर कार्यवाही की जा रही है। मौके पर से पुलिस द्वारा नौकरी दिलाये जाने हेतु बेरोजगार युवक एवं युवतियों से भरवाये गये फार्म, ग्रामीण क्षेत्रों में बांटे गये पम्पलेट एवं किराये से लिए गये हाल में लगाये गये पोस्टर आदि को जप्त किया जाकर आरोपियों के बैकिंग ट्रान्जेक्शन की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा एडवाइजरी जारी की गयी है कि ऐसे किसी भी कम्पनी अथवा बाहरी लोगो को अपना मकान किराये से देने के पूर्व पुलिस को जानकारी अवश्यक दें एवं पुलिस के वेरीफिकेशन कराये जाने के बाद ही अपना मकान किराये से दें।

पाकिस्तान में धर्म बदल रहे लोग ? हिंदुओं की आबादी बढ़ी, मुस्लिम हुए कम

पेशावर। पाकिस्तान में धार्मिक जनसंख्या में बदलाव को लेकर हालिया रिपोर्ट और जनगणना डेटा काफी चर्चा का विषय बने हैं। 2023 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी में गिरावट देखी गई, जबकि हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक धर्मों की आबादी में वृद्धि दर्ज की गई। 2017 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान की कुल आबादी का लगभग 96.47त्न मुस्लिम थे। लेकिन 2023 की जनगणना के अनुसार, मुस्लिम आबादी में गिरावट देखी गई, जो 96% से कम हो गई है। मुस्लिम आबादी में गिरावट का कारण प्राकृतिक वृद्धि दर में कमी और धार्मिक जनसांख्यिकी में मामूली बदलाव माने जा सकते हैं।

2017 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान में हिंदू आबादी लगभग 1.85% थी, लेकिन 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 2% के करीब पहुंच गया। पिछले छह वर्षों में हिंदू समुदाय की आबादी में लगभग 3 लाख लोगों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो मुख्य रूप से सिंध प्रांत में निवास करते हैं। ईसाई समुदाय की संख्या भी 2023 की जनगणना में बढ़कर 7 लाख से अधिक हो गई है। अन्य धर्मों जैसे सिख, बौद्ध, और अहमदिया समुदायों की जनसंख्या में भी मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, हालांकि यह आंकड़े सटीक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मुस्लिमों से हिंदू या ईसाई धर्म में धर्मांतरण की घटनाएं बढ़ रही हैं। हालांकि, इन आंकड़ों की पुष्टि कठिन है, लेकिन जनसंख्या में हो रहे बदलाव के पीछे कुछ मामलों में धर्मांतरण एक संभावित कारण हो सकता है। इसके विपरीत, कई हिंदू परिवारों द्वारा जबरन धर्मांतरण के मामले भी सामने आए हैं, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं को जबरन इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया।पाकिस्तान में आर्थिक तंगी, सामाजिक असमानता, और धार्मिक भेदभाव ने जनसांख्यिकीय बदलाव को प्रभावित किया हो सकता है।धार्मिक अल्पसंख्यकों को कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपने धार्मिक पहचान को बदलने पर मजबूर कर सकता है।

पाकिस्तान की सरकार ने धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने का दावा किया है, लेकिन ज़मीनी हकीकत में अल्पसंख्यकों को कई तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इन आंकड़ों और रिपोर्ट्स से यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान की धार्मिक जनसांख्यिकी में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं। धार्मिक असहिष्णुता और सामाजिक परिस्थितियां भी इन बदलावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पाकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर 'शिक्षा आपातकाल की घोषणा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर देश में स्कूलों से वंचित 2.60 करोड़ बचों को शिक्षित करने के इरादे से 'शिक्षा आपातकाल की घोषणा की। सरकारी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कदम की घोषणा की और निजी क्षेत्र तथा नागरिक संगठनों से सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता शहबाज (72) ने शिक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने तथा सूचना के मामले में सबल एवं टिकाऊ राष्ट्र के लिए प्रयास करने की अपनी

प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा, ''हमने पूरे देश में शैक्षिक आपातकाल घोषित कर दिया है, छात्रों के लिए नामांकन अभियान शुरू किया है और स्कूलों में बचों के लिए मध्याह्न भोजन शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साक्षरता एक मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकार है जो हमारे देश के भविष्य की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं है, बल्कि यह ''सशक्तीकरण, आर्थिक अवसरों और समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रवेश द्वार है। इससे पहले मई में भी शहबाज शरीफ ने शिक्षा आपातकाल की घोषणा की थी और स्कूल न जाने वाले लगभग 2.60 करोड़ बचों को दाखिला दिलाने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र के निकाय यूनेस्को ने रेखांकित किया है कि विकासशील देशों में चार में से तीन बचे 10 वर्ष की आयु तक बुनियादी पाठ्य सामग्री को पढ़ या समझ नहीं सकते हैं, तथा विश्वभर में अब भी 75.4 करोड़ वयस्क निरक्षर हैं, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं।

सूडान में जारी गृहयुद्ध में अब तक 20 हजार लोगों की मौत

काहिरा: संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि सूडान में 16 महीने से अधिक समय से चल रहे युद्ध में 20,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश में विनाशकारी संघर्ष के बीच यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने सूडान के लाल सागर के शहर पोर्ट सूडान में एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

पोर्ट सूडान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, सैन्य समर्थित सरकार की सीट के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सूडान में जारी युद्ध में मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है। टेड्रोस ने सूडान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के अवसर पर यह बात कही। टेड्रोस ने कहा, ''सूडान संकट के एक भयंकर तूफान से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा, ''सूडान में आपातकाल जैसे हालात बेहद चौंकाने वाले हैं, तथा इस संघर्ष को रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई भी अपर्याप्त है। पिछले वर्ष अप्रैल में सूडान में उस समय अराजकता फैल गई थी, जब सेना और एक शक्तिशाली अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे देश में एक युद्ध का रूप ले लिया था।

वो कोयला है...सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन पर क्रिकेटर योगराज सिंह का बड़ा बयान

नेशनल डेस्क। पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह, जो अपनी बेबाक और अक्सर उत्तेजक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने हाल ही में सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन के बारे में अपनी टिप्पणियों से विवाद खड़ा कर दिया है। ऐतिहासिक रूप से, योगराज पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी की आलोचना करने में मुखर रहे हैं, और उन्हें अपने बेटे युवराज सिंह के अंतरराष्ट्रीय करियर की गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

हाल ही में एक साक्षात्कार में, योगराज, जो अर्जुन तेंदुलकर को अपने क्रिकेट कौशल को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे, उन्होंनेने एक बयान दिया जो तेजी से वायरल हो गया। योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर की तुलना कोयले से की और कहा कि यदि सही हाथों में आ जाए, तो वह कोहिनूर बन सकता है।

योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर की तुलना कोयले से करते हुए कहा, क्या आपने कोयले की खान में हीरा देखा है? वह कोयला ही है... निकालो, पत्थर ही है। लेकिन अगर उसे एक अच्छे तराशने वाले के हाथ में डाला जाए, तो वह दुनिया का कोहिनूर बन जाता है। यदि वही हीरा किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ में चला जाए जो उसकी कद्र न जाने, तो उसे बर्बाद कर देगा। उनका यह बयान क्रिकेट की दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। योगराज ने अर्जुन तेंदुलकर में छिपी प्रतिभा की सराहना की, लेकिन सही मार्गदर्शन और मेहनत की जरूरत की बात की।

योगराज सिंह ने अपने बेटे युवराज सिंह के करियर के बारे में भी बड़ी बातें कीं। उन्होंने कहा, युवराज ने एक समय मुझसे नफरत की थी। घर में मुझे हिटलर और ड्रैगन सिंह जैसे नामों से बुलाया जाता था। रिश्तेदार भी मुझसे दूरी बनाए रखते थे और कहते थे कि मुझे पिता नहीं बनना चाहिए था। लेकिन आज वही लोग मेरी तारीफ कर रहे हैं, क्योंकि युवराज ने कहा कि मेरे पापा के हाथों में जादू है, जिन्होंने मुझे बनाया।

बेसहारा बुजुर्गों को मुफ्त में खाना बांट रही नेकी की रसोई, 5 थालियों से शुरू किया था सफर

नेशनल डेस्क. लुधियाना में कोई भी बुजुर्ग भूखा नहीं सोता है। यहाँ एक नूर नेकी की रसोई बेसहारा बुजुर्गों के लिए एक अनमोल सहारा बन चुकी है। यह रसोई बुजुर्गों को उनके घर तक निशुल्क भोजन पहुंचा रही है, जो उनके चेहरे पर खुशी की चमक ला रही है। 15 लोगों की एक टीम इस नेक काम में जुड़ी है। वे 5 अस्पतालों में लंगर सेवा और गिल चौक पर 5 रुपए में भरपेट खाना भी प्रदान कर रहे हैं। पहले 5 थालियों से शुरू हुई यह सेवा अब 100 थालियों तक पहुँच चुकी है।

मददगारों की टीम में सेवानिवृत्त अधिकारी, व्यवसायी,

फैक्ट्री मालिक और समाजसेवी लोग शामिल हैं।

सेवादार हरी ओम जैन और हरिदेश जैन ने बताया कि 14 जनवरी 2022 को समाजसेवी मनदीप दीवान की प्रेरणा से सीनियर सिटीजन थाली की शुरुआत की गई। पहले एक सर्वे किया गया, जिसमें पता चला कि बहुत से बुजुर्ग हैं, जिनका कोई सहारा नहीं है और जो त्योहारों पर भी अकेले रह जाते हैं।

भोजन की विशेष व्यवस्था के तहत सुबह और शाम के खाने का अलग मैन्यू होता है। सुबह में रोटी, हरी सब्जी और रायता मिलता है, जबकि शाम के भोजन में रोटी, दाल, हरी सब्जी, खिचड़ी या दलिया शामिल होते हैं। खास बात यह है कि त्योहारों पर पूरी और छोले के साथ हलवा या खीर भी दी जाती है, जो बुजुर्ग शारीरिक स्थिति ठीक न होने के कारण न तो घर में खाना बना सकते हैं और न ही बाहर से मंगा सकते हैं। उनके लिए यह सेवा एक वरदान साबित हो रही है।

बच्चे बने शिक्षक...200 गांवों में बच्चों ने चलाया शिक्षा अभियान, 30 हजार से ज्यादा लोग हुए साक्षर

नेशनल डेस्क. झारखंड के लातेहार जिले के लगभग 200 गांवों में अब ककहरा और पहाड़ा की आवाजें गूंज रही हैं। यहां के बच्चे अब मास्टर साहब बन गए हैं और वयस्कों को पढ़ाने का काम कर रहे हैं। दरअसल इन गांवों में अशिक्षा को दूर करने के लिए दो साल पहले बच्चों ने एक विशेष मुहिम शुरू की थी। बच्चे अपने माता-पिता, पड़ोसियों और बुजुर्गों को पढ़ाकर उन्हें साक्षर बना रहे हैं। बालूमाथ, सेमर, कल्याणपुर और चीरू जैसे कई गांवों में 600 जगहों पर वयस्क शिक्षा की क्लासें लगती हैं। अब तक इस मुहिम के तहत 30 हजार से ज्यादा लोग साक्षर हो चुके हैं, जिनमें 20 हजार महिलाएं और करीब 10 हजार पुरुष शामिल हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) ने इन साक्षरों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया है। यह अभियान साल 2022 में शिक्षकों की प्रेरणा से शुरू किया गया था और अब यह अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है। सोच- माता-पिता को अनपढ़ न कहलाने के लिए बच्चों ने उठाया कदम लातेहार के ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग पहले ठगी का शिकार हो चुके थे। वे सरकारी योजनाओं या बैंकों में अंगूठा लगाते थे और इस कारण उन्हें धोखा मिलता था। बच्चों ने अपने शिक्षकों से इस समस्या के बारे में बताया।

पहले इंस्टाग्राम से की दोस्ती... फिर 20 दिन होटल में बंधक बना कर लड़की के साथ किया बलात्कार

नेशनल डेस्क। हैदराबाद में एक छात्रा के साथ हुए एक गंभीर मामले ने सभी को हैरान कर दिया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके इंस्टाग्राम दोस्त ने उसे हैदराबाद में एक होटल के कमरे में 20 दिनों तक बंधक बनाए रखा और इस दौरान उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। यह मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और पीड़िता को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पीड़िता के अनुसार, उसका इंस्टाग्राम दोस्त उसे होटल में बंधक बनाकर रखने के बाद लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। 20 दिनों के इस कष्टदायी समय के दौरान, पीड़िता ने व्हाट्सएप के जरिए अपने परिजनों को अपनी स्थिति की जानकारी दी। परिजनों ने जब इस मामले की शिकायत की, तो पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की और तेलंगाना के भैंसा शहर स्थित नारायणगुड़ा के होटल से पीड़िता को मुक्त कराया। हैदराबाद पुलिस की स॥श्व टीम, जो महिलाओं की सुरक्षा और उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर

काम करती है, ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने नारायणगुड़ा होटल पर छापा मारा और पीड़िता को बंधक बनाए गए कमरे से बाहर निकाला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(द्व), 127(4), और 316(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ बलात्कार और गलत तरीके से रोकने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है ISHEटीम को हैदराबाद की एक प्रतिष्ठित एकेडमी की छात्रा से भी एक व्हाट्सएप शिकायत प्राप्त हुई थी। छात्रा ने शिकायत में बताया कि उसके कुछ सहपाठी उसे लगातार परेशान कर रहे थे, उसे चिढ़ाते थे और अश्लील टिप्पणियाँ करते थे। मामले की पूरी जांच के बाद, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 79 आर/डब्ल्यू 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया।

SHE टीम तेलंगाना पुलिस की एक विशेष शाखा है जो महिलाओं की सुरक्षा और उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर ध्यान देती है। टीम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित रखना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है।

कनाडा में वर्क परमिट बंद, पंजाब के युवाओं की नजर अब स्टूडेंट वीज़ा पर

डेस्क. कनाडा ने वीज़िटर या टूरिस्ट वीज़ा पर आए लोगों को वर्क परमिट देना बंद कर दिया है, जिसके कारण पंजाब के कई युवा अब कनाडा में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए स्टूडेंट वीज़ा की ओर रुख कर रहे हैं। कनाडा में स्टूडेंट वीज़ा के लिए कोई आयु सीमा नहीं है, और सरकार ने वीज़िटर वीज़ा पर आए लोगों को आवेदन करने से नहीं रोका है।

पंजाब में कई स्टूडेंट वीज़ा सलाहकारों का कहना है कि राज्य के कई युवाओं ने पहले स्टडी परमिट के लिए कनाडा जाने का प्लान किया था, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने वीज़िटर या टूरिस्ट वीज़ा पर जाने का विकल्प चुना।

यह बदलाव तब हुआ जब कनाडा सरकार ने जनवरी में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या सीमित कर दी, जिससे स्टूडेंट वीज़ा प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो गया। कनाडा ने हाल ही में वर्क परमिट को रोकने का निर्णय लिया,

जो पहले कोविड-19 के यात्रा प्रतिबंधों के दौरान लागू हुआ था। इस नीति के तहत, वीज़िटर बिना देश छोड़े वर्क परमिट के लिए आवेदन कर सकते थे ताकि वे वहां रहते समय खुद को आर्थिक रूप से समर्थन कर सकें।

एक सलाहकार के अनुसार, कई भारतीय छात्र, विशेष रूप से पंजाब से, जो वीज़िटर वीज़ा पर कनाडा गए थे, वर्क परमिट के लिए आवेदन करना चाहते थे, लेकिन नए नियम के बाद उनकी संभावनाएं सीमित हो गई हैं। सलाहकारों का कहना है कि अब ऐसे लोग स्टूडेंट वीज़ा के लिए आवेदन करने की सोच रहे हैं ताकि वे कनाडा में अपनी उपस्थिति को बढ़ा सकें। इसके लिए उन्हें किसी डिज़ाइनटेड लर्निंग इंस्टीट्यूशन से स्वीकृति पत्र प्राप्त करना होगा और आर्थिक रूप से खुद को समर्थन देने के प्रमाण भी देने होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569